दैनिक

राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत उत्तर भारत विशेष कर मालवा जोन (हरियाणा) का एकमात्र दैनिक समाचारपत्र

DAILY BHARAT DESH HAMARA KARNAL

भारत देश हमारा

करनाल

Postal Regd. No. PKL-235/2024-26

www.bharatdeshhamara.com,E-mail-bdhkarnal@gmail.com

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी　　संपादक - डा.के.के.संधू　　प्रबन्ध संपादकः सुरेन्द्र सिंह छत्तवाल

PRGI (RNI) Regd. No.HARHIN/2017/74227　वर्ष 9　अंक 26 सोमवार 26 जनवरी, 2026　Monday 26 January, 2026　मूल्य 2/- रूपए , कुल पृष्ठ 12　मोब :9416406615,7404278000,9215537704

फिर एसवाईएल के मुद्दे पर हरियाणा-पंजाब के मुख्यमंत्रियों के बीच होगी बैठक

चंडीगढ़ 25 जनवरी (निस): सतलुज-यमुना लिंक (एस.वाई.एल.) नहर को लेकर एक बार फिर हरियाणा और पंजाब के मुख्यमंत्रियों की बैठक 27 जनवरी को चंडीगढ़ में होगी। सबसे खास बात यह है कि इस बैठक में केंद्र का कोई मंत्री शामिल नहीं होगा। इसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री और पंजाब के मुख्यमंत्री(**शेष पृष्ठ दो पर**)

शोरूम किराए पर उपलब्ध

1600 वर्ग फुट, ग्राउंड फ्लोर, कॉर्नर प्रॉपर्टी-बेहतरीन लोकेशन

रेडी-टू-मूव व्यावसायिक परिसर अंदर पैंट्री और टॉयलेट उपलब्ध

प्रीमियम क्वालिटी टाइल्स व मार्बल 24x7 पानी की सुविधा

शानदार पार्किंग व्यवस्था मुख्य बाजार में स्थित पास में पंजाब नैशनल बैंक और एचडीएफसी बैंक नजदीक 4 एटीएम मशीन इलेक्ट्रॉनिक्स व कपड़ों के बड़े शोरूम आसपास बड़े रिहायशी क्षेत्र से घिरा हुआ रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड से 5-10 मिनट दूरी

अपेक्षित किराया ₹66,000 प्रति माह (पानी व बिजली अलग)

स्थान : विष्णुनगर, वर्कशॉप रोड, यमुनानगर, हरियाणा-135001

संपर्क :- 9996-675234

भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा, किसान समृद्धि हमारा लक्ष्य

77वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्र के नाम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का सम्बोधन

नई दिल्ली 25 जनवरी (निस) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर देशवासियों को संबोधित किया। राष्ट्रपति मुर्मु ने देशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि गणतंत्र दिवस का पावन पर्व हमारे अतीत, वर्तमान और भविष्य में देश की दशा और दिशा का अवलोकन करने का अवसर होता है। स्वाधीनता संग्राम के बल पर 15 अगस्त 1947 के दिन से हमारे देश की दशा बदली, भारत स्वाधीन हुआ, हम अपनी राष्ट्र नीति के निर्माता बने। 26 जनवरी 1950 के दिन से हम अपने गणतंत्र को संवैधानिक आदर्श की दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं। उसी दिन हमने अपने संविधान को पूरी तरह से लागू किया।

भारत भूमि उपनिवेश के विधि विधान से मुक्त हुई- राष्ट्रपति

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की जननी भारत भूमि उपनिवेश के विधि विधान से मुक्त हुई और हमारा लोक-तंत्रात्मक गणराज्य अस्तित्व में आया। हमारा संविधान विश्व इतिहास में आज तक के सबसे बड़े गणराज्य का आधारग्रंथ है। हमारे संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के आदर्श हमारे गणतंत्र को परिभाषित करते हैं।

संविधान निर्माताओं ने राष्ट्रीयता की भावना तथा देश की एकता को संवैधानिक प्रावधानों सुदृढ़ आधार प्रदान किया है।

भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा- राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि देश आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। जल्द भी ही भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। हमारे मेहनती श्रमिक भाई-बहन राष्ट का नव निर्माण करते हैं। हमारे होनहार युवा और बच्चे अपनी प्रतिभा से देश के स्वर्णिम भविष्य को मजबूती प्रदान करते हैं।

देश ने सरदार पटेल की 150वीं जयंती मनाई- राष्ट्रपति

77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि लोह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने हमारे राष्ट्र का एकीकरण किया। पिछले वर्ष 31 अक्टूबर को कृतज्ञ देशवासियों ने उत्साह पूर्वक उनकी 150वीं जयंती मनाई। उनकी 150वीं जयंती के पावन अवसर से जुड़े स्मरण उत्सव बनाए जा रहे हैं। ये उत्सव देशवासियों में राष्ट्र एकता तथा गौरव की भावना को मजबूत बनाते हैं।उत्तर से लेकर दक्षिण तक तथा पूर्व से लेकर पश्चिम तक, हमारी प्राचीन सांस्कृतिक एकता का ताना-बाना हमारे पूर्वजों ने बुना था। राष्ट्रीय एकता के स्वरूपों को जीवंत बनाए रखने का प्रत्येक प्रयास अत्यंत सराहनीय है। पिछले वर्ष 7 नवंबर से हमारे राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की रचना के 150 वर्ष संपन्न होने का उत्सव भी मनाया जा रहा है। भारत माता के देवी स्वरूप की वंदना का यह गीत जन-मन में राष्ट्र प्रेम का संचार करता है।

दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बना भारत - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

मन की बात में पीएम ने कहा - मजबूत लोकतंत्र की नींव जागरुक मतदाताओं पर टिकी

नई दिल्ली 25 जनवरी (निस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम के 130वें एपिसोड में देशवासियों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शुभकामनाएं दीं और कहा, मतदाता लोकतंत्र की आत्मा होते हैं और मजबूत लोकतंत्र की नींव जागरूक मतदाताओं पर टिकी होती है। उन्होंने सुझाव दिया कि जिस तरह जन्मदिन मनाया जाता है, उसी तरह जब कोई युवा पहली बार वोटर बने तो पूरे मोहल्ले, गांव या शहर में उसे बधाई देकर मिठाई बांटी जानी चाहिए। इससे मतदान के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना बढ़ेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में सोशल मीडिया पर चल रहे 2016 की तस्वीरें साझा करने के ट्रेंड का जिक्र करते हुए कहा, कि बीते 10 वर्षों में देश ने हर क्षेत्र में बड़े बदलाव देखे हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप

इकोसिस्टम बन चुका है। ऐसे-ऐसे स्टार्टअप सामने आए हैं, जिनकी 10 साल पहले कल्पना भी मुश्किल थी। पीएम मोदी ने स्टार्टअप से जुड़े युवाओं को सलाम करते हुए कहा कि देश के युवाओं की सोच और मेहनत भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है।स्टार्टअप इंडिया पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज एआई, स्पेस, न्यूक्लियर एनर्जी, सेमीकंडक्टर, मोबिलिटी, ग्रीन हाइड्रोजन, बायोटेक्नोलॉजी जैसे हर सेक्टर में भारतीय स्टार्टअप सक्रिय हैं। उन्होंने 'क्वालिटी' पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इंडियन प्रोडक्ट का मतलब क्वालिटी बनना चाहिए और इसमें किसी भी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए। तमसा नदी जनभागीदारी का उत्तम उदाहरण अपने संबोधन में पीएम मोदी ने जनभागीदारी के उदाहरण भी साझा किए। उन्होंने उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ की तमसा नदी का उल्लेख करते हुए कहा कि लोगों ने सामूहिक प्रयास से नदी को नया जीवन दिया है। इसी तरह आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में सूखे से जूझ रहे क्षेत्र में जनसहयोग से 10 से अधिक जलाशयों को पुनर्जीवित किया गया और 7,000 से ज्यादा पेड़ लगाए गए, जिससे जल संरक्षण के साथ हरियाली भी बढ़ी है।मलेशिया के तमिल स्कूलों का किया जिक्र प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारतीय संस्कृति और त्योहारों की पहचान आज पूरी दुनिया में बन रही है। विदेशों में रहने वाले भारतीय अपनी भाषा और संस्कृति को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने मलेशिया के तमिल स्कूलों, गुजरात के बेचराजी के चंदनकी गांव के कम्यूनिटी किचन, अरुणाचल प्रदेश और असम में युवाओं द्वारा स्वच्छता के प्रयासों का भी उल्लेख किया। पीएम मोदी ने कहा कि जनभागीदारी और सामूहिकता ही देश की सबसे बड़ी ताकत है।

गणतंत्र दिवस की बधाई एवं अवकाश सूचना

समस्त देशवासियों को अदारा भारत देश हमारा करनाल की ओर से गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं इस अवसर पर दैनिक भारत देश हमारा के कार्यालय 26 जनवरी दिन सोमवार को अवकाश रहेगा जिस कारण मंगलवार 27 जनवरी 2026 का अंक प्रकाशित नहीं होगा। कृप्या नोट करें।

-प्रबंधक

गणतंत्र दिवस पर 982 पुलिसकर्मियों को दिए जाएंगे सेवा मेडल, सबसे अधिक कश्मीर पुलिस को

नई दिल्ली, 25 जनवरी (निस) गणतंत्र दिवस पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गैलेंट्री अवॉर्ड्स और सेवा मेडल की घोषणा की है। इस बार 982 पुलिस, फायर ब्रिगेड, होम गार्ड, सिविल डिफेंस और करेक्शनल सर्विस से जुड़ें कर्मियों को अलग-अलग सेवा मेडल दिए गए हैं। इन पुरस्कारों में 125 वीरता पदक भी शामिल हैं। सबसे ज्यादा 45 वीरता पदक जम्मू और कश्मीर ऑपरेशन थिएटर में तैनात कर्मियों को दिए गए हैं। इसके बाद नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों के 35 और पूर्वोत्तर क्षेत्र में तैनात 5 कर्मियों को दिए गए हैं। फायर ब्रिगेड सर्विस के 4 बचावकर्मी भी वीरता पदक विजेताओं में चुने गए हैं। जम्मू और कश्मीर पुलिस को सबसे ज्यादा 33 वीरता पदक दिए गए हैं। इसके बाद महाराष्ट्र पुलिस को 31 मेडल, यूपी पुलिस को 18 और दिल्ली पुलिस को 14 मेडल दिए गए हैं। सीएपीएफ बलों में सीआरपीएफ एकमात्र बल है जिसे 12 पदकों के साथ वीरता पुरस्कार दिए गए हैं। इस सूची में अधिकारियों और कर्मियों को 101 राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा पदक और 756 मेधावी सेवा पदक भी ??शामिल हैं।

सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) के 31 अधिकारियों और कर्मचारियों को विशिष्ट सेवा के लिए प्रेसिडेंट पुलिस मेडल और सराहनीय सेवा के लिए पुलिस मेडल से सम्मानित किया गया है। बता दें वीरता पदक किसी व्यक्ति को वीरता के दुर्लभ असाधारण कार्य, जीवन-संपत्ति बचाने, अपराध को रोकने, अपराधियों को गिरफ्तार करने में असाधारण वीरता के लिए दिया जाता है। संबंधित अधिकारी के दायित्व-कर्तव्य को ध्यान में रखकर जोखिम का अनुमान लगाया जाता है।प्रेसिडेंट सेवा मेडल पीएसएम सेवा में विशेष विशिष्ट रिकॉर्ड के लिए दिया जाता है।

उत्तर भारत में बर्फबारी और बारिश के बाद ठिठुरन बढ़ीः बंद रहे राजमार्ग, कोहरे और कड़ाके की ठंड का अलर्ट

नई दिल्ली 25 जनवरी (निस): उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में भारी बर्फबारी और मैदानी इलाकों में हुई बारिश के बाद पूरे उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में लगातार हो रहे हिमपात के कारण जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। बर्फबारी के चलते कई प्रमुख सड़कें और राष्ट्रीय राजमार्ग दूसरे दिन भी बंद रहे, जिससे यातायात और आवश्यक वस्तुओं की

आपूर्ति बाधित हुई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी दी है कि 25 और 26 जनवरी को पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में घना कोहरा छाने की संभावना है।राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बारिश के बाद ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। रविवार सुबह दिल्ली में हल्के से मध्यम कोहरे की चादर दिखाई दी है। दिल्ली के मुख्य मौसम केंद्र सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले कुछ दिनों की तुलना में बड़ी गिरावट है। शनिवार को दिल्ली का सबसे ठंडा इलाका आयानगर रहा, जहां पारा गिरकर 6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। हालांकि, तेज हवाओं और बारिश के कारण दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार देखा गया है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को भी दिल्ली में बादल छाए रहेंगे और अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना है।कश्मीर घाटी में शनिवार को मौसम में थोड़ा सुधार होने से श्रीनगर हवाई अड्डे पर उड़ान सेवाएं बहाल कर दी गईं, लेकिन शीतलहर का प्रकोप कम नहीं हुआ है।

पृष्ठ एक का शेष...

फिर एसवाईएल के मुद्दे पर हरियाणा-पंजाब

... सहित दोनों सरकारों के सीनियर अफसर भी शामिल होंगे।इससे पहले भी एस. वाई.एल. विवाद को सुलझाने के लिए जुलाई, अगस्त और नवम्बर 2025 में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल की अध्यक्षता में दिल्ली में बैठकें हो चुकी हैं। इन दोनों बैठकों में कोई हल निकला था जिसके बाद अब इस साल की एस.वाई.एल. को लेकर यह पहली बैठक बुलाई गई है। नवम्बर में हुई बैठक में सतलुज-यमुना लिंक नहर विवाद पर केंद्र सरकार मध्यस्थता से पीछे हटते हुए दिखाई दे रही है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद केंद्र ने अपनी अगुवाई में पंजाब और हरियाणा के बीच 5 दौर की द्विपक्षीय बैठकें करवाई लेकिन किसी में भी ठोस नतीजा नहीं निकला है। इससे पहले केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने पंजाब और हरियाणा के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर कहा है कि दोनों राज्य एस.वाई.एल. नहर पर आपसी बातचीत कर समाधान खोजें। 17 नवम्बर को फरीदाबाद में हुई उत्तरी जोनल काऊंसिल की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नदी के पानी से जुड़े सभी मुद्दों को फिलहाल के लिए मुल्तवी कर दिया था।

सूचना

सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि किसी कारणवश यदि भारत देश हमारा व चड़दीकला समाचारपत्र आपको नियमित रूप से नहीं मिल रहा है तो कृपया नीचे दिए फोन नंबर पर संपर्क करें।

मोब: 9416406615

पाठकों हेतु आवश्यक सूचना

समाचार-पत्र दैनिक भारत देश हमारा करनाल में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/ क्लासीफाइड) के तथ्यों की जिम्मेवारी नहीं लेता। हमारा समाचार पत्र इनको प्रमाणित नहीं करता। पाठकों से निवेदन है कि वे इन विज्ञापनों पर कार्रवाई करने से पूर्व तथ्यों की पुष्टि अवश्य कर लें।

सूचना

हरियाणा में चढ़दीकला टाईम टीवी न्यूज चैनल,भारत देश हमारा व रोजाना चढ़दीकला पंजाबी समाचार पत्र में पत्रकार बनने तथा विज्ञापन एवं समाचार देने के लिए संपर्क करे।

कार्यालय: 15-ए, माल रोड़
नजदीक अम्बेडकर चौंक, करनाल
मोब: 9416406615

सदा आपके साथ

जन्मदिन,विवाह वर्षगांठ,संयुक्त परिवार और ग्रुप सैल्फी (2 से अधिक)की फोटो हमें भेजें।
नोट:मेल में नाम पता व मोबाईल नंबर जरूर लिखें।
सभी सेवाएं निशुल्क है।
E-mail chardikla.hr@gmail.com
Whatsapp: 9896359037,8307425115

आवश्यक सूचना

दैनिक पंजाबी चढ़दीकला एवं हिन्दी दैनिक भारत देश हमारा समाचार-पत्र में खबरें एवं विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें। कार्यालय 26 ग्रीनपार्क तहसील टाऊन पानीपत।
मोब: 9215537704,7206600325,7206300081

कृष्ण कुमार सन्धु,सम्पादक,पब्लिशर व श्रीमती सुमन लता प्रिंटर ने दैनिक भारत देश हमारा जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मोर्चा प्रिंटर्स, एससीओ 3-4, चौंक दुखनिवारण साहिब ,सरहिंद रोड पटियाला के कीपर जगजीत सिंह दर्दी से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा, 15-ए,माल रोड, करनाल से प्रकाशित किया (सम्पादक - कृष्ण कुमार सन्धु)
PRGI (RNI) Regd. No.HARHIN/2017/74227

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सादगी से मनाया जन्मदिन: गौ सेवा की और बुजुर्गों का लिया आशीर्वाद

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित बड़े नेताओं ने जन्मदिन की दी शुभकामनाएं

चंडीगढ़, 25 जनवरी (अमृतपाल सिंह) हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज अपना 56वां जन्मदिन अत्यंत सादगी और सामाजिक सरोकारों के साथ मनाया। अपने जन्मदिन की शुरुआत उन्होंने पंचकूला के शिशु गृह में बच्चों से मिलकर की। उन्होंने वहां छोटे बच्चों को मिठाइयां बांट कर अपना जन्म दिन मनाया और इसके बाद वृद्धाश्रम में बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया।इसके पश्चात मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी पंचकूला जिले के गांव समराल (भोज नेता) पहुंचे और ग्रामीणों के बीच बैठ कर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात सुनी।बाद में , मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी अपनी पत्नी श्रीमती सुमन सैनी के साथ पंचकूला स्थित श्री माता मनसा देवी मंदिर परिसर की गौशाला में पहुंचे। उन्होंने वहां गायों को चारा खिलाया और विधिवत पूजा-

अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की।मुख्यमंत्री को जन्मदिन के अवसर पर देश के शीर्ष नेतृत्व सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने शुभकामनाएं दीं। भारत की राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने फोन कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी और उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। यह शुभकामना मुख्यमंत्री के प्रति उनके सम्मान और स्नेह को दर्शाती है।प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी सोशल मीडिया मंच एक्स पर मुख्यमंत्री को बधाई देते हुए उन्हें जनसेवा के प्रति समर्पित और ऊर्जावान नेता बताया। उन्होंने लिखा कि श्री नायब सिंह सैनी का जमीनी अनुभव हरियाणा के परिवारजनों के लिए अत्यंत कल्याणकारी सिद्ध हो रहा है और उनके नेतृत्व में प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। प्रधानमंत्री ने ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन की प्रार्थना की।केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने भी मुख्यमंत्री को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने संदेश में जनसेवा, सुशासन और प्रदेश के सर्वांगीण विकास के प्रति श्री सैनी के समर्पण की सराहना करते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की।केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल ने भी हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके कहा हरियाणा के नॉन स्टॉप एवं यशस्वी मुख्यमंत्री प्रिय नायब सैनी जी, आपको जन्मदिन की आत्मीय बधाई एवं शुभकामनाएँ !आपके कुशल नेतृत्व में हरियाणा निरंतर विकास और प्रगति के पथ पर गतिमान रहे तथा आप प्रदेश को नित नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएं।ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सुयशपूर्ण जीवन की कामना करता हूं।उक्त बड़े व्यक्तित्व के अलावा ,प्रदेश भर से जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, पार्टी कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने दिनभर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी को जन्मदिन की बधाइयां दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। लोगों ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में हरियाणा विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित करता रहेगा।

मुख्यमंत्री ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर गौ माता की सेवा के पवित्र संकल्प को साकार करने की दिशा में उठाया एक और अहम कदम

हरियाणा गौसेवा आयोग के 2014-15 में 2 करोड़ रुपये के बजट को बढ़ाकर चालू वित वर्ष में किया 595 करोड़ रुपये -मुख्यमंत्री

चंडीगढ़, 25 जनवरी (अमृतपाल सिंह) हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज अपने जन्म दिवस के अवसर पर गौ माता की सेवा के पवित्र संकल्प को साकार करने की दिशा में एक और अहम कदम उठाते हुए माता मनसा देवी गौधाम में आयोजित कार्यक्रम में जिला की 14 गौशालाओं के लिए 1 करोड़ 22 लाख 46 हजार रुपये की चारा अनुदान राशि के चैक वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने सकेतड़ी की पहाड़ी पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर के कच्चे रास्ते के सुदृढ़ीकरण व नवीनीकरण के लिए 20 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा भी की।इससे पहले मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती सुमन सैनी सहित माता मनसा देवी गौधाम में गौ सेवा की और चारा और गुड़ खिलाकर गौ माता का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर उन्होंने गौ पूजन भी किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारे देश में गाय आदिकाल से ही पूजनीय रही है और गाय को माता का दर्जा दिया गया है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, गाय में सभी देवी-देवता निवास करते हैं। गाय के इसी महत्व को देखते हुए धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों द्वारा गौशालाओं की स्थापना पर बल दिया गया है। वर्तमान सरकार ने भी गौशालाओं के विकास, गौवंश संरक्षण और प्राकृतिक कृषि को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों मे पंजीकृत गौशालाओं को चारे के लिए 270 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014-15 में हरियाणा गौसेवा आयोग के लिए केवल 2 करोड़ रुपये का बजट था। हमने जनसेवा का दायित्व संभालते ही बजट को बढाना शुरू किया और चालु वित्त वर्ष में कुल बजट 595 करोड़ रुपये कर दिया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 तक हरियाणा में 215 पंजीकृत गौशालाओं में केवल 1 लाख 75 हजार गौवंश था जबकि वर्तमान में राज्य में 686 पंजीकृत गौशालाएं हैं, जिनमें लगभग 4 लाख बेसहारा गौवंश का पालन-पोषण हो रहा है। 330 गौशालाओं में सोलर ऊर्जा प्लांट लगाए गए हैं और शेष बची गौशालाओं में भी सोलर प्लांट लगाने का कार्य शीघ्र पूरा किया जाएगा। इसके अलावा गौशालाओं में 2 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। पहले गौशालाओं से जमीन की रजिस्ट्री पर 1 प्रतिशत शुल्क लिया जाता था, लेकिन अब नई गौशालाओं को जमीन की रजिस्ट्री पर कोई भी स्टाम्प डयूटी नहीं देनी पड़ती।मुख्यमंत्री ने कहा कि गौशालाओं में गौवंश के स्वास्थ्य की जांच के लिए पशु चिकित्सों की सुव्यवस्था न होने के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। वर्तमान सरकार ने इस समस्या का भी निदान किया है। उन्होंने गत वर्ष 5 अगस्त, 2024 को घोषणा की थी कि तीन हजार से अधिक गौवंश वाली गौशालाओं में सप्ताह में एक दिन पशु चिकित्सक ड्यूटी करेगा। तीन हजार से कम गायों वाली गौशालाओं में सप्ताह में एक दिन वी.एल.डी.ए. ड्यूटी करेगा। इस घोषणा को लागू कर दिया गया है। साथ ही मोबाइल पशु चिकित्सालय की सेवाएं भी गौशालाओं के लिए उपलब्ध करवाई जा रही हैं।श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश को बेसहारा गौवंश से मुक्त करना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए गांव नैन, जिला पानीपत में और गांव ढंदुर, जिला हिसार में दो गौ अभ्यारण्यों की स्थापना की गई है। इनमें शैड, पानी, चारे की व्यवस्था भी की गई है। इनके लिए 8 करोड़ रुपये की राशि पहले जारी की जा चुकी है। इसमें लगभग 5 हजार बेसहारा गौवंश को आश्रय दिया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेसहारा गौवंश के पुनर्वास के लिए 200 गौशालाओं को शैड बनाने के लिए 10 लाख रुपये प्रति गौशाला अनुदान देने की उनकी घोषणा के अनुरूप 51 गौशालाओं में शैड बनाए जा चुके हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि गौ माता को पहले जैसा सम्मान दिलाने के लिए देशी नस्ल की गायों के संरक्षण और संवर्धन के लिए भी कारगर कदम उठाने होंगे। इस दिशा में कदम उठाते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देशी नस्ल की गायों के संरक्षण और संवर्धन के लिए 'राष्ट्रीय गोकुल मिशन' लागू किया है। देशी नस्ल की हरियाणा, साहीवाल व बेलाही गायों के गौपालकों को दूध उत्पादन की क्षमता के अनुसार 5 हजार से 20 हजार रुपये तक प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। इसके साथ ही गौशालाओं में आश्रित गौवंश की नस्ल सुधार के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए व्यापक प्रयास किये जा रहे हैं। गौशालाएं गाय के गोबर और गोमूत्र से प्राकृतिक फिनाइल, फॉस्फेट से भरपूर जैविक खाद, गोबर के बर्तन, गोबर से प्राकृतिक पेंट, गमला, दीया, धूप, साबुन और अन्य उत्पाद बना रही हैं। पंचगव्य आधारित उत्पादों पर अनुसंधान और विकास के लिए हरियाणा गौवंश अनुसंधान केंद्र सुखदर्शनपुर, पंचकूला की स्थापना की गई है।

हरियाणा सरकार
गणतंत्र के गौरव गान में, भारत की शान में,
आओ फहराएं तिरंगा, संविधान के सम्मान में
26 जनवरी, 2026
गणतंत्र दिवस
के अवसर पर देशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
"गणतंत्र दिवस की ढेरों शुभकामनाएं !
इस अवसर पर हम उन सभी महान विभूतियों को नमन करते हैं,
जिन्होंने हमारा संविधान बनाकर यह सुनिश्चित किया कि
हमारी विकास यात्रा लोकतंत्र, गरिमा और एकता पर आधारित हो।"
- नरेन्द्र मोदी
सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा
www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

सम्पादकीय

न्यायपालिका की विश्वसनीयता में कमी क्यों

पिछले एक दशक में भारतीय न्यायपालिका की भूमिका को लेकर लगातार गंभीर सवाल उठ रहे हैं। संविधान ने न्यायपालिका को लोकतंत्र का प्रहरी बनाकर सर्वोच्च स्थान दिया है। कार्यपालिका और विधायिका पर न्यायपालिका का संवैधानिक नियंत्रण, नागरिकों के मौलिक अधिकारों का संरक्षण, कानून और नियमों का राज, सभी के लिए समान अवसर यह सुनिश्चित करना न्यायपालिका की जिम्मेदारी है। संवैधानिक संस्थाएँ अपने दायित्व का सही ढंग से निर्बाह कर रही हैं, या नहीं। इस पर नियंत्रण रखने की मूल जिम्मेदारी न्यायपालिका की है। गणतंत्र के 76वें वर्ष में खड़े होकर जब हम देखते हैं, तो वर्तमान की तस्वीर पहले जैसी स्पष्ट और भरोसेमंद नजर नहीं आती है। पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका मे भ्रष्टाचार बढ़ा है। जिस तरह के निर्णय आ रहे हैं, और टिप्पणियां हो रही हैं, उसको लेकर न्यायपालिका के ऊपर नागरिकों का दिन प्रतिदिन विश्वास घटता चला जा रहा है। बीते वर्षों में कई ऐसी घटनाएँ सामने आई हैं, जिसने न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। न्यायाधीशों की नियुक्ति मे कॉलेजियम बनाम सरकार का टकराव, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जजों की ऐतिहासिक प्रेस कॉन्फ्रेंस, सुप्रीम कोर्ट में मनमाने तरीके से न्यायाधीशों की बेंच में मामलों की सुनवाई संवैधानिक पीठों के गठन में देरी, महत्वपूर्ण याचिकाओं को वर्षों तक लंबित रखना, राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों की सुनवाई वर्षों तक लंबित रखने, आधे-अधूरे निर्णय देना, आदेश के स्थान पर टिप्पणियां करना। यह सब इस बात का संकेत देते हैं। न्यायिक व्यवस्था में विचारधारा सरकार का दबाव और भेदभावपूर्ण निर्णय देने का चलन बढ़ा है। सरकार मनमाने निर्णय ले रही है। न्यायपालिका कई मामलों में अपेक्षित निर्णय नहीं ले रही है। न्यायपालिका सरकार के प्रति वह कठोरता नहीं दिखा रही, जो संविधान और कानून नियम के अनुसार जरूरी है। नागरिकता कानून, अनुच्छेद 370, चुनावी बांड, जांच एजेंसियों की मनमानी कार्यवाही, नागरिकों की धार्मिक राजनीतिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे विषयों पर न्यायिक सक्रियता की धीमी गति ने न्यायपालिका के प्रति नागरिकों के विश्वास को कमजोर किया है। नागरिकों की यह धारणा बनने लगी है, न्यायपालिका पर कार्यपालिका का दबाव बढ़ गया है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के मनमाने तरीके से ट्रांसफर किए जा रहे हैं। फैसलों को लेकर सरकार का अप्रत्यक्ष दबाव बढ़ता जा रहा है। जिसके कारण हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से अब लोगों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। सबसे चिंताजनक आरोप न्यायपालिका पर यह लग रहा है, कि अब अमीरों के लिए अलग न्याय और गरीबों के लिए अलग न्याय की स्थिति बनती जा रही है। जमानत के मामलों में असमानता, धार्मिक आधार पर भेदभावपूर्ण फैसले, वर्षों से जेलों में बंद विचाराधीन कैदी, प्रभावशाली आरोपियों को त्वरित राहत मिलने, चुनाव आयुक्त की नियुक्ति, एसआईआर मामले की सुनवाई में तारीख पर तारीख के बीच बिहार विधानसभा के चुनाव हो जाना, इस तरह के सैकड़ों मामले सामने आ चुके हैं। जिससे आम नागरिकों एवं न्यायविदों के मन में न्याय के प्रति अविश्वास देखने को मिल रहा है। न्यायपालिका को सरकार का संरक्षण मिलने और बदले में सरकार के हितों के प्रति नरमी दिखाने के कई फैसलों की चर्चा लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। इस स्थिति का सीधा प्रभाव आम नागरिकों पर पड़ रहा है। न्यायपालिका पर विश्वास कमजोर होता है, तो लोकतंत्र की नींव हिलने लगती है। संविधान की रक्षा का दायित्व न्यायपालिका के ऊपर है। यही लोगों के लिए अंतिम विश्वास के रूप में बना हुआ था जो अब खंडित हो रहा है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है, कि नागरिकों का विश्वास न्यायपालिका के प्रति कैसे बना रहे? इसके लिए न्यायिक स्वतंत्रता जरूरी है। न्यायाधीशों और न्यायालयों को वास्तविक संरक्षण प्राप्त हो, नियुक्तियों और तबादलों में पारदर्शिता बढ़ाई जाए। संवेदनशील मामलों में समयबद्ध सुनवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। गरीब और वंचित वर्ग के लिए त्वरित संवेदनशील न्याय की व्यवस्था मजबूत की जाए। न्यायाधीशों के आचरण में प्रदर्शित हो। न्यायपालिका के फैसलों में स्पष्टता हो। सुप्रीम कोर्ट पूर्व में दिए गए निर्णयों एवं संवैधानिक बेंच द्वारा दिए गए निर्णयों का वर्तमान न्यायाधीश सम्मान करें। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट द्वारा जो फैसले दिए जा रहे हैं, वह स्पष्ट हों, फैसला संविधान कानून और नियम के अनुसार किए गए हैं। यह परीलिक्षित हो। न्यायपालिका की ताकत उसकी साख में है। न्यायपालिका की साख कमजोर हुई, तो पूरा लोकतांत्रिक ढांचा संकट में पड़ जाएगा। आवश्यकता है, न्यायपालिका अपने भीतर झाँके। आत्ममंथन करे, अपने फैसलों से नागरिकों का अटूट विश्वास अर्जित करे। बिना भरोसे का न्याय औपचारिक बन जाता है। ऐसी स्थिति में लोग न्यायपालिका के स्थान पर गुंडे और बदमाशों के पास जाकर न्याय पाने की चेष्टा करते हैं। न्याय पाने के लिए राजनेताओं के पास जाने लगते हैं। ऐसी स्थिति में भीड़-तंत्र स्वयं न्याय पाने के लिए सड़कों पर उतरने लगता है। भारत की न्यायपालिका को अपनी साख बेहतर बनाने की दिशा में काम करना होगा। अन्यथा स्थिति बहुत खराब हो सकती है।

भारत का 77वाँ गणतंत्र दिवस: संविधान, उपलब्धियां एवं चुनौतियां

-सुनील कुमार महला

26 जनवरी 1950 वह दिन है जब भारत का संविधान लागू हुआ था और इसी दिन भारत एक गणतंत्र राष्ट्र बना। इससे पूर्व 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को अंगीकार किया गया था। इस बार अर्थात् वर्ष 2026 में भारत अपना 77वाँ गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। दूसरे शब्दों में कहें तो 26 जनवरी 1950 वह ऐतिहासिक दिन था जब भारत एक संप्रभु, समाजवादी, लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष गणराज्य के रूप में विश्व पटल पर स्थापित हुआ। गणतंत्र (रि-पब्लिक) का अर्थ है-एक ऐसी शासन व्यवस्था, जिसमें सत्ता का स्रोत जनता होती है और सरकार लोकतांत्रिक प्रक्रिया द्वारा चुनी जाती है। गणतंत्र में शासन का सर्वोच्च पद प्राचीनकाल की भांति किसी राजा या महाराजा के पास नहीं होता, बल्कि इसमें संविधान ही सर्वोपरि होता है। वास्तविक अर्थों में, गणतंत्र का मतलब यही है कि संविधान वह मूल कानून है, जो नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों को निर्धारित करता है। सरल शब्दों में कहा जाए तो गणतंत्र वह व्यवस्था है, जहाँ जनता का शासन कानून और संविधान के माध्यम से चलता है। संविधान का अर्थ है-देश का सर्वोच्च कानून, जिसके ऊपर कोई व्यक्ति, सरकार या संस्था नहीं होती। यही कारण है कि संविधान को देश को चलाने वाली नियम-कानूनों की सर्वोच्च पुस्तक कहा जाता है।

पाठकों को जानकारी होगी कि भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। यह स्पष्ट करता है कि देश कैसे चलेगा, सरकार कैसे बनेगी और कैसे कार्य करेगी, नागरिकों के मूल अधिकार और कर्तव्य क्या होंगे तथा देश में न्याय, समानता और स्वतंत्रता कैसे सुनिश्चित की जाएगी। यह कहना ग़लत नहीं होगा कि जिस देश में संविधान सुरक्षित है, वहाँ लोकतंत्र भी सुरक्षित रहता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारतीय संविधान के निर्माणकर्ता और संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर थे तथा भारतीय संविधान का मूल आधार लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, न्याय, समानता और स्वतंत्रता है।

गणतंत्र दिवस 2026 की मुख्य थीम व उपलब्धियां-

इस वर्ष गणतंत्र दिवस 2026 की मुख्य थीम '150 वर्ष - वंदे मातरम' रखी गई है। अर्थात् इस बार देश के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की रचना के 150 वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाया जा रहा है। यह थीम बंकिम

चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ को सम्मान देती है, जो हमारे देश की संस्कृति, इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम की भावना को अभिव्यक्त करती है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2026 के समारोह की दूसरी महत्वपूर्ण थीम 'विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत' है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को प्रदर्शित करना है। इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड की एक विशेष उपलब्धि यह है कि पहली बार यूरोपीय संघ के शीर्ष नेताओं को संयुक्त रूप से मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा तथा यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन इस अवसर पर भारत आएंगे। यह आमंत्रण भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) संबंधों की बढ़ती मजबूती का प्रतीक है। यूरोपीय संघ यूरोप के 27 देशों का एक आर्थिक-राजनीतिक समूह है, जो आपसी सहयोग, व्यापार, अर्थव्यवस्था, शांति, लोकतंत्र, मानवाधिकारों और सीमा-रहित यात्रा जैसे विषयों पर साझा निर्णय लेता है। गणतंत्र दिवस 2026 की एक और खास बात यह है कि भारतीय सेना पहली बार कर्तव्य पथ पर एक नया 'बैटल ऐरे फॉर्मेशन' प्रस्तुत करेगी। इसके साथ ही दर्शक दीर्घाओं के नाम अब नेताओं के बजाय भारत की प्रमुख नदियों के नाम पर रखे गए हैं, जो वीवीआईपी संस्कृति के अंत और जन-प्रधान लोकतंत्र की भावना को दर्शाता है।

उभरती हुई अर्थव्यवस्था है भारत- बहरहाल, आज भारत वैश्विक मंच पर लगातार उभरती हुई एक बड़ी शक्ति बन चुका है। वर्तमान में भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। जनवरी 2026 के ताज़ा आँकड़ों के अनुसार, भारत ने नॉमिनल जीडीपी के मामले में जापान को पीछे छोड़ते हुए यह गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया है। भारत की अर्थव्यवस्था लगभग 4.18 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के पार पहुँच चुकी है और यह दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बनी हुई है। क्रय शक्ति समानता (पीपीपी) के आधार पर भारत पहले से ही विश्व में तीसरे स्थान पर है। अब भारत का अगला लक्ष्य जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनना है, जिसके 2027-28 तक साकार होने की पूरी संभावना है। यह आर्थिक प्रगति मज़बूत घरेलू उपभोग, बुनियादी ढाँचे में भारी निवेश और डिजिटल क्रांति के कारण संभव हुई है।हालाँकि, 76 वर्ष पूरे करने के बावजूद आज भारतीय गणतंत्र के समक्ष कई गंभीर चुनौतियाँ भी मौजूद हैं। वास्तव में कोई भी गणतंत्र तभी जीवित रहता है जब उसके नागरिक जागरूक और सजग हों। यह अत्यंत चिंताजनक है कि वर्तमान समय में हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों का क्षरण होता जा रहा है। संवाद, सहमति और असहमति की स्वस्थ परंपरा कमजोर पड़ रही है। मतभेद को देशद्रोह और आलोचना को विरोध मानने की प्रवृत्ति किसी भी लोकतंत्र के लिए घातक है। यह बहुत दुखद है आज संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाए जा रहे हैं। न्यायपालिका, विधायिका, कार्यपालिका और मीडिया जैसी संस्थाओं पर दबाव और पक्षपात के आरोप गणतंत्र की नींव को चुनौती देते हैं। धर्म, जाति, भाषा और विचारधारा के आधार पर बढ़ता सामाजिक ध्रुवीकरण राष्ट्रीय एकता और भाईचारे को कमजोर करता है। नागरिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं पर दबाव, राजनीति का अपराधीकरण, धनबल का बढ़ता प्रभाव, मीडिया और सोशल मीडिया की चुनौतियाँ-जैसे फेक न्यूज़, ट्रोल संस्कृति और प्रोपेगैंडा भी लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे हैं। इसके साथ ही अमीर और गरीब के बीच बढ़ती खाई, सामाजिक न्याय की चुनौतियाँ और नागरिक कर्तव्यों-जैसे मतदान, कर भुगतान, पर्यावरण संरक्षण और संवैधानिक मर्यादा-के प्रति बढ़ती उदासीनता गणतंत्र को कमजोर करती है।आर्थिक दृष्टि से भी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। हालिया रिपोर्टों के अनुसार घरेलू बचत में कमी आई है, परिवारों की बचत घट रही है और कर्ज पर निर्भरता बढ़ी है, जो आर्थिक स्थिरता के लिए चिंता का विषय है।

पर्यटन दिवस: भारत की विविधता एवं विकास का उत्सव

- कांतिलाल मांडोत

भारत में हर वर्ष पच्चीस जनवरी को राष्ट्रीय पर्यटन दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य देश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन के महत्व और उसके सामाजिक सांस्कृतिक तथा आर्थिक प्रभावों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है।भारत विश्व के उन गिने चुने देशों में है जहां प्राकृतिक सौंदर्य ऐतिहासिक धरोहर आध्यात्मिक परंपरा और सांस्कृतिक विविधता एक साथ देखने को मिलती है।

राष्ट्रीय पर्यटन दिवस इन सभी विशेषताओं को सामने लाकर भारत को वैश्विक पर्यटन मंच पर सशक्त रूप से प्रस्तुत करता है। पर्यटन का उद्देश्य रोजगार और पहचान का विस्तार राष्ट्रीय पर्यटन दिवस का मुख्य उद्देश्य भारतीय पर्यटन स्थलों का प्रचार करना है। इसके साथ ही पर्यटन उद्योग से जुड़े रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना भी इस दिवस का अहम लक्ष्य है।पर्यटन ऐसा क्षेत्र है जो ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आजीविका के अवसर पैदा करता है।इससे होटल परिवहन हस्तशिल्प स्थानीय बाजार और सांस्कृतिक गतिविधियों को नया जीवन मिलता है।पर्यटन और भारतीय अर्थ व्यवस्था की मजबूतीबनी रहती है।आज पर्यटन भारतीय अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बन चुका है।यह क्षेत्र प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करोड़ों लोगों को रोजगार प्रदान करता है।पर्यटन के माध्यम से सरकार को हर वर्ष कर शुल्क और सेवाओं से बड़ी मात्रा में आय प्राप्त होती है।यह आय बुनियादी ढांचे सामाजिक योजनाओं और विकास कार्यक्रमों में उपयोग की जाती है।पर्यटन से बदलती तस्वीरजम्मू कश्मीर जैसे राज्य जहां औद्योगिक गतिविधियां सीमित हैं वहां पर्यटन आय का सबसे बड़ा स्रोत बन चुका है।पर्यटन से होटल टैक्स परिवहन शुल्क और स्थानीय उत्पादों की बिक्री के माध्यम से राज्य की आय

तेजी से बढ़ रही है।पर्यटन ने इन क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं।इसके साथ ही सामाजिक स्थिरता और शांति को भी आर्थिक आधार मिला है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

और पर्यटन नीति का विकास

भारत सरकार ने स्वतंत्रता के तुरंत बाद पर्यटन के महत्व को समझ लिया था।वर्ष उन्नीस सौ अड़तालीस में पर्यटन यातायात समिति का गठन इसी सोच का परिणाम था।

वर्ष उन्नीस सौ सड़सठ में पर्यटन मंत्रालय की स्थापना के बाद पर्यटन को संस्थागत पहचान मिली।राष्ट्रीय पर्यटन दिवस इसी दीर्घकालिक नीति दृष्टिकोण का प्रतीक है।सरकारी पहलें और योजनागत प्रयासपर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कई योजनाएं आरंभ की हैं। स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत थीम आधारित पर्यटन सर्किट विकसित किए जा रहे हैं।

अपने देश पहल ने घरेलू पर्यटन को नई दिशा दी है।राष्ट्रीय हरित पर्यटन मिशन ने पर्यावरण संरक्षण को पर्यटन नीति से जोड़ा है।कौशल विकास की कमीएक बड़ी चुनौतीबनी हुई थी।पर्यटन उद्योग एक श्रम प्रधान क्षेत्र है।इस क्षेत्र में सेवा गुणवत्ता का सीधा संबंध प्रशिक्षित मानव संसाधन से होता है।लेकिन वर्षों से प्रशिक्षित जनशक्ति की उपलब्धता पर्यटन क्षेत्र के विकास के अनुरूप नहीं रही है।इसका प्रभाव पर्यटकों के अनुभव और सेवा स्तर पर पड़ता है।संसाधनों का अतिदोहन और पर्यावरणीय दबाव अस्थिर पर्यटन प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव डालता है।भारत के हिमालयी क्षेत्रों में जल वन और भूमि संसाधन पहले से ही सीमित हैं। पर्यटन गतिविधियों के कारण मृदा क्षरण प्रदूषण और जैव विविधता को नुकसान हो रहा है। यह स्थिति भविष्य के लिए गंभीर पर्यावरणीय संकट पैदा कर सकती है।पर्वतीय राज्यों पर पर्यटन का भारजम्मू कश्मीर हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्य अपनी पारिस्थितिक वहन क्षमता की सीमा तक पहुंच रहे हैं।यूपीएससी की परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्न इस समस्या की गंभीरता को दर्शाते हैं। यदि पर्यटन विकास को संतुलित नहीं किया गया तो पर्यावरणीय क्षति अपरिवर्तनीय हो सकती है। इसलिए संरक्षण और विकास के बीच संतुलन अत्यंत आवश्यक है।बुनियादी सुविधाएं और सुरक्षा की जरूरत भारत के कई पर्यटन स्थलों पर स्वास्थ्य स्वच्छता परिवहन और सुरक्षा सुविधाएं अपर्याप्त हैं। यह स्थिति विशेष रूप से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में अधिक दिखाई देती है।अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए आधुनिक अवसंरचना अनिवार्य है।इन क्षेत्रों में निवेश पर्यटन क्षेत्र को और मजबूत बना सकता है। जिम्मेदार औरहरित पर्यटन की दिशासतत पर्यटन का अर्थ है। ऐसा पर्यटन जो पर्यावरण समाज और अर्थव्यवस्था के बीच संतुलन बनाए।इसके लिए पर्यटन प्रबंधन से जुड़े सभी हितधारकों की जवाबदेही जरूरी है।प्राकृतिक पारितंत्र में न्यूनतम हस्तक्षेप के साथ हरित पर्यटन को बढ़ावा देना समय की मांग है। अवसंरचना आत्मीय आतिथ्य को दीर्घकालिक आधार देती है।एकीकृत पर्यटनऔर डिजिटल प्रचारदेश भर में वांछित पर्यटन स्थलों की पहचान के लिए व्यापक बाजार अध्ययन आवश्यक है।इसके आधार पर पर्यटन स्थलों का मानचित्रण किया जा सकता है।

उप्र में धर्म में आपसी मतभेद शांति से हल करने चाहिए

- संजय गोस्वामी

प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्य और पुलिसवाले आमने-सामने आ गए। फिर जमकर धक्का-मुक्की हुई। इसके बाद शंकराचार्य शिष्यों को छुड़वाने पर अड़ गए।शंकराचार्य के शिष्य की पिटाई हुई एसओजी ने अविमुक्तेश्वरानंद के पालकी को ढकेलकर बाहर निकाला द्वारका पीठ के शंकराचार्य बोले- यह गौ हत्या जैसा पाप क्है और सभी पीठो के शंकराचार्य ने योगी सरकार के कदम का विरोध किया,उधर रामभद्राचार्य बोले- अविमुक्तेश्वरानंद ने अन्याय किया अब कौन क्या बोल रहा है इस पर शांति से काम लेना चाहिए पहली बात तो ऐ है कि कौन भगवान का सच्चा भक्त है ऐ समझ में नहीं आता है मारना पीटना किसी को भी शोभा नहीं देता सीखो भगवान राम से जिन्होंने अपने राज़धर्म में किसी जनता पर अन्याय नहीं किया राम को लेकर आए है और इसलिए हमें भी लाइए कितनी बार मैं सुन चुका हूँ लेकिन ऐसा नहीं सुना की अहम में अपने को ही भूल गए मैं ही सब कष्टों का कारण है इसे आने ना दो।पहले सभी सनातन जो हिन्दू धर्म के हित धारक होते है उनके बारे में कुछ जाने सबसे बड़ा सनातनी में सर्वोच्च भाव त्याग का होता है वो भी परमार्थ हेतु, *मैं* और *मेरा*, इस भाव का त्याग है। फल की इच्छा या भविष्य की कोई चिंता नहीं होती। कर्ताभाव नहीं होता। कोई दुनियवी इच्छा नहीं रहती। संस्कृत में सन्यासी शब्द का अर्थ होता है सम्यक + न्यास = पूर्ण रूप से छोड़ देना। फिर वह कहीं भी रहता हो जंगल या महल में। मन से सब कुछ त्याग चुका होता है। किसी में भी लिप्त नहीं रहता। यह स्थिति कोई रास्ता नहीं है। मंजिल है। इसमें स्थूल त्याग इतना महत्व नहीं रखता। भारतीय अध्यात्म और शास्त्र परंपरा में परिव्राजक और संन्यासी दोनों शब्द त्याग के मार्ग को दर्शाते हैं, लेकिन इनके सूक्ष्म अर्थ और जीवनशैली में कुछ बुनियादी अंतर हैं। इसे आसान भाषा में इस प्रकार समझ सकते हैं- 1। परिव्राजक परिव्राजक शब्द का मूल अर्थ है— निरंतर घूमने वाला (परि = चारों ओर, व्राजक = चलने वाला)। * मुख्य विशेषता- परिव्राजक वह है जिसका कोई स्थायी ठिकाना नहीं होता। वह एक स्थान पर अधिक समय तक नहीं रुकता (आमतौर पर वर्षा ऋतु को छोड़कर)। * उद्देश्य- इनका मुख्य

उद्देश्य ज्ञान का प्रसार करना और स्वयं को मोह-माया से दूर रखने के लिए किसी एक स्थान से जुड़ाव न रखना है। * एक उपमा- उन्हें बहते पानी की तरह माना जाता है जो कभी रुककर गंदा नहीं होता। 2। संन्यासी संन्यासी शब्द का मूल अर्थ है— जिसने पूर्ण त्याग कर दिया हो (सम् + न्यास)। * मुख्य विशेषता- संन्यास एक अवस्था या आश्रम है। जब व्यक्ति संसार के सभी कर्तव्यों (गृहस्थ जीवन) से मुक्त होकर स्वयं को परमात्मा या आत्म-ज्ञान के लिए समर्पित कर देता है, तो वह संन्यासी कहलाता है। * उद्देश्य- इसका मुख्य उद्देश्य मोक्ष प्राप्त करना और अहंकार का पूर्ण विनाश करना है। संन्यासी एक जगह आश्रम में रहकर भी साधना कर सकता है। दोनों में मुख्य अंतर आधार व परिव्राजक का है संन्यासी में गतिशील, निरंतर भ्रमणशील रहता है (घुमक्कड़)। 7 एक स्थान पर रुक सकता है (आश्रम या कुटिया में)। 7 परिव्रज्या यानी घर-बार छोड़कर भ्रमण करना। 7 न्यास यानी सब कुछ छोड़कर आत्मस्थ होना। 7 7 जिसकी जीवनशैली भिक्षा मांगकर और यात्रा करके जीवन बिताना होता है और ध्यान, तपस्या और शास्त्र चिंतन में लीन रहना। प्राथमिकता में वैराग्य और लोक-शिक्षा के लिए यात्रा करना और त्याग, वैराग्य और मोक्ष के लिए स्थिर साधना करना होता है । 7 आप कह सकते हैं कि हर परिव्राजक एक संन्यासी होता है, लेकिन हर संन्यासी ज्ञानी हो यह जरूरी नहीं। * यदि एक संन्यासी एक जगह बैठकर तपस्या कर रहा है, तो वह केवल संन्यासी है। * यदि वही संन्यासी गांव-गांव घूमकर ज्ञान बाँट रहा है और कहीं रुकता नहीं है, तो उसे परिव्राजक कहा जाता है। स्वामी विवेकानंद को अक्सर परिव्राजक कहा जाता है क्योंकि उन्होंने पूरे भारत की पैदल यात्रा की थी। क्या आप इन दोनों श्रेणियों में आने वाले किसी विशेष महापुरुष या उनके दर्शन के बारे में और विस्तार से जानना चाहते हैं? आचार्य तुलसी ने प्रेक्षा ध्यान को आरंभ किया जिसको अचार्य महाप्रज्ञ ने बहुत ऊंचाई प्रदान की। मैं जैनिज्म पर भी कलेक्शन कर रहा हूं कभी ना कभी पुस्तक लिखूंगा। जैन धर्म को बहुत गहराई से समझा है। उसके गुरुओं का जीवन यदि तुमको मालूम हो जाए तो तुम्हारी आंखों से आंसू आ जाएंगे इतना कष्ट कहते हैं अपने शिष्यों को सुधारने के लिए। दिगंबर ऋषि आचार्य तरुण सागर महाराज ने प्रतिज्ञा की थी तो उन्होंने तबीयत खराब होने पर दवा नहीं ली अपने प्राण त्याग दिए।शक्तिपात परंपरा का हूं उसमें तो उपवास द्वारा भी नहीं है अधिक। इसके अतिरिक्त बंधन मुक्त होने के लिए कुंडलिनी शक्ति का प्रयोग होता है। और मेरी निगाह में भी यह आवश्यक नहीं है। ईश्वर की प्राप्ति के लिए बंधन मुक्त होना है बंधन नहीं करना है लेकिन यह भी एक परंपरा है सनातन की जिसको कि हमको जानना चाहिए और हमको इन परंपराओं का भी सम्मान करना चाहिए अर्थात हम भले ही ना करें जो नहीं कर रहे हैं उनके लिए अलग बात है लेकिन जो कर रहे हैं उनका सम्मान करना चाहिए। उनके लिए कोई कष्ट देना नहीं होता है इनमें। उनके लिए यह स्वाभाविक हो जाता है। उनकी शक्ति ऐसी है। वह खुशी खुशी यह करते हैं। उनका सामर्थ्य है। लोग इसे कठोरता मानते हैं क्योंकि वह स्वयं कर नहीं सकते और करेंगे तो पीड़ा होती है इसलिए उनको लगता है कि ये जबरदस्ती से कर रहे। जबकि उनके लिए तो ये बिल्कुल स्वाभाविक है। बहुत साल पहले से चाय पीना छोड़ दिया था। कभी इच्छा भी नहीं होती। जबकि लोग चाय न पिए तो दिन खराब हो जाता है। उनके लिए यह अस्वाभाविक है लेकिन जो चाय नहीं पीते उनके लिए यह स्वाभाविक है। उनकी स्फूर्ति चाय के ऊपर आधारित नहीं है। - जैन मुनि कभी वाहन में नहीं बैठते पदयात्रा करते हैं जीवन भर हम में से कितने लोग करते हैं मॉर्निंग वॉक तो होती नहीं।

गणतंत्र दिवस
नरवाना-विशेषांक
डा. के.के संधू
डायरेक्टर एवं संपादक
चढ़दीकला मीडिया ग्रुप, हरियाणा
दैनिक भारत देश हमारा समचार पत्र की ओर से गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
CHARDIKLA TIME TV
नरेन्द्र सिंहमार
पत्रकार, नरवाना
मो: 98968-95875

26 JANUARY
आप सभी देशवासियों को
लोकतंत्र के महापर्व
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
कैलाश सरपंच खरल

श्री कृष्ण कुमार बेदी
गणतंत्र दिवस
की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं
सत्यवान बेदी (कलौदा वाले) नगर पार्षद, नरवाना

झण्डा ऊँचा रहे हमारा
विजयी विश्व तिरंगा प्यारा
झण्डा ऊँचा रहे हमारा
गणतंत्र दिवस
26 JANUARY
की हार्दिक शुभकामनायें
शुभम् हस्पताल
चौपड़ा पत्ती, नरवाना (जीन्द)
डॉ. मिसेज शोभा

REPUBLIC DAY
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की 75वीं वर्षगांठ पर
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
डॉ. अमित सैन

Happy Republic Day
26 January
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं।
श्री कैलाश सिंगला
पूर्व प्रधान, नगर परिषद्, नरवाना

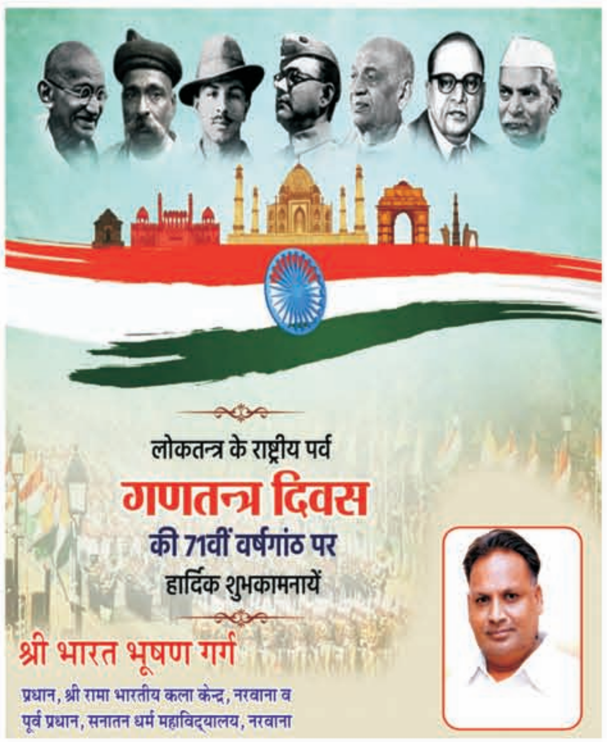
लोकतन्त्र के राष्ट्रीय पर्व
गणतन्त्र दिवस
की 71वीं वर्षगांठ पर
हार्दिक शुभकामनाएं
श्री भारत भूषण गर्ग

REPUBLIC DAY
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की 75वीं वर्षगांठ पर
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
श्री योगी सूरी जी
गजेन्द्र शर्मा
प्रधानाचार्य
DAV Public School, Narwana
Admission Open : 2026-2027

26 JANUARY
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
Powered by :
An Indo - American School, MOMCARE (Since 2006)
Shaheed Chander Shekhar Azad Middle School, Narwana

26 January HAPPY Republic Day
आप सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं ढेर सारी शुभकामनाएं
आपको और आपके पूरे परिवार को
गणतंत्र दिवस की हार्दिक
बधाई एवं ढेर सारी शुभकामनाएं
श्री विपुल नैन
समाजसेवी व नगर पार्षद् वार्ड नं 5, नरवाना

सभी
देशवासियों को
26 जनवरी
गणतंत्र दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं
श्री कृष्ण कुमार बेदी
(कैबिनेट मंत्री, हरियाणा सरकार)
सुनीता भ्याण
भाजपा, शहरी मंडल उपाध्यक्ष, नरवाना

जन नायक कर्पूरी ठाकुर ओबीसी संगठन, हरियाणा (रजि.)
की कार्यकारिणी की तरफ से सभी प्रदेशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं
राष्ट्रीय अध्यक्ष
रघुवीर सिंह श्रीवास
हरियाणा प्रदेश संरक्षक
डॉ. राजकुमार दिनौदिया
हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष
नरेन्द्र सिंहमार
डॉ. सुरेश सिंसर
कार्यालय सचिव
सुरेश सिंसर
सलाहकार
डॉ. अमित सैन

डा. के.के संधू
डायरेक्टर एवं संपादक
चढदीकला मीडिया ग्रुप, हरियाणा

गणतंत्र दिवस
चीका-कैथल विशेषांक

हमारी ओर से आप सभी को गणतंत्र की हार्दिक शुभकामनाएं

CHARDIKLA TIME TV

सुरेन्द्र कुमार
पत्रकार कैथल
मो: 96715-42442

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

बाबा सबल सिंह बावरी सेवा संघ कैथल की तरफ से गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

आपके घर में किसी भी तरह की परेशानी घर क्लेश या कारोबार। नहीं चलना इत्यादि समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए संपर्क करें।

सेवादार भूरा राम

आप टेलीफोन नंबर
8570965115
86848 65541
पर संपर्क कर सकते हैं।

मेरे गांव के सभी मतदाताओं सभी ग्राम वासियों सहित प्रदेश और देशवासियों सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों को गणतंत्र दिवस की मंगल कामनाएं।

आओ आज के पुनीत अवसर पर परस्पर सद्भावना और भाईचारे को मजबूत करने का संकल्प लें।

ममता रानी

(धर्मपत्नी) श्री नीरज कुमार उर्फ बंटी।
ग्राम पंचायत रामनगर
भूना (कैथल)

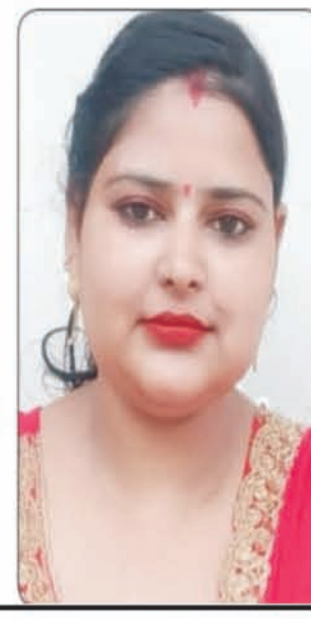

For On Grid Plant - (Without Battery)

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

घरों पर सोलर रूफटॉप लगवाने के लिए सभी घरेलू उपभोक्ताओं को केन्द्र सरकार द्वारा अनुदान

सरस्वती इलेक्ट्रिक सोलर पैनल

नजदीक पुराना बस स्टैंड कैथल (हरियाणा)
की ओर से सभी देशवासियों को

गणतंत्र दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

पहले आओ ,पहले लगवाओ। 78000 रुपए से लेकर 1,10,000 तक की सब्सिडी प्राप्त करें।
- सभी सरकारी बैंकों से लोन सुविधा उपलब्ध।
-हरियाणा के किसी भी गांव शहर में सोलर लगवाने के लिए संपर्क करें।
-हरियाणा के गांव और शहरों में काम करने के लिए लड़के लड़कियों की जरूरत है।
वेतन 20,000 रुपए मासिक
-अखबार की फोटो व्हाट्सएप करने वाले को अलग से इनाम दिया जाएगा

सम्पर्क करें :- 70275-75260

डा. के.के संधू
डायरेक्टर एवं संपादक
चढदीकला मीडिया ग्रुप, हरियाणा

गणतंत्र दिवस
राजौंद (कैथल) व घरौंडा विशेषांक

हमारी ओर से आप सभी को गणतंत्र की हार्दिक शुभकामनाएं

CHARDIKLA TIME TV

नरेश पुहाल
पत्रकार, राजौंद
मो: 70158-19270

CHARDIKLA TIME TV

CHARDIKLA TIME TV NEWS CHANNEL
दैनिक भारत देश हमारा हिन्दी समाचार पत्र
डेली चढ़दीकला पंजाबी समाचार पत्र

गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
26 JANUARY

की हार्दिक शुभकामनाएं
नरेश पुहाल
पत्रकार, राजौंद
चढ़दीकला मीडिया ग्रुप, हारयाणा

हरविन्द्र कल्याण
विधानसभा स्पीकर हरियाणा

ग्राम पंचायत शेखुपरा जागीर

खण्ड करनाल की ओर से
सभी प्रदेशवासियों को

गणतंत्र दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

बहादुर सिंह

सरपंच,
ग्राम पंचायत शेखपुरा जागीर

श्रीमती बबीता
नगरपालिका प्रधान

नगरपालिका
राजौंद की तरफ से

नरेन्द्र शर्मा
नगरपालिका सचिव

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

1. समय पर सम्पत्ति कर जमा करवाये।
2. मकान/दुकान बनाने से पहले नगरपालिका से नक्शा पास करवाये।
3. अपने शहर को स्वच्छ बनाने में नगरपालिका का सहयोग करे।
4. कूड़े को नगरपालिका राजौंद की गाड़ी में ही डालें।
5. गीले व सूखे कचरे के लिए अलग अलग डस्टबीन को प्रयोग करे।
6. समय-समय पर जारी N.G.T.की हिदायतों की पालना करें।

चौधरी सर छोटू राम के नाम पर एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी बननी चाहिए

हरियाणा, हिमाचल और पंजाब को फिर से एक करना चाहिए : सिमरनजीत सिंह मान

करनाल, 25 जनवरी (संदीप/रविन्द्र) : शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के प्रेसिडेंट स. सिमरनजीत सिंह मान ने कहा कि सर छोटू राम और मेरे बड़े लेफ्टिनेंट कर्नल एस. जोगिंदर सिंह मान दोनों पुराने पंजाब की लाहौर असेंबली में साथ रहते थे। कर्नल जोगिंदर सिंह मान 1937 में जीते थे और चौधरी साहब ने एग्रीकल्चर मिनिस्टर रहते हुए किसानों और आम लोगों के हक में बड़ी पहल की थी और उस समय सरकारी लेवल पर किसानों का पूरा कर्ज माफ करके किसान वर्ग से अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने और अपने परिवारों की इकॉनमी को मजबूत करने में बहुत मदद मिली थी। वे सभी वर्गों के बीच बहुत इज्जतदार और पॉपुलर पर्सनैलिटी थे। उस समय

पंजाब की पूरी आबादी बहुत आरामदायक माहौल में रह रही थी। क्योंकि राज समय लोग सरकारी जिम्मेदारियों से खुश और संतुष्ट थे। लेकिन देश के बंटवारे के बाद पुराने पंजाब की पूरी आबादी का आरामदायक की कमी आज भी महसूस होता है। यह दुख और अफसोस की बात है कि बंटवारे के बाद पंजाब का जो इलाका दिल्ली यमुना से लेकर जम्मू-कश्मीर, लेह लद्दाख और अफगानिस्तान तक का हिस्सा था, हमारा इलाका भी हरियाणा और हिमाचल में बंट जाने से कम हो गया जो शासकों ने अपने राजनीतिक और स्वार्थी मकसद पूरे करने के लिए किया। जिससे न सिर्फ पंजाब बल्कि हरियाणा और हिमाचल के लोगों को भी बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हमारी दिली इच्छा है कि पंजाब, हरियाणा और हिमाचल मिलकर एक बड़ा राज्य बनें ताकि हम पहले की तरह एक-दूसरे का साथ देकर अपनी सभी आर्थिक, सामाजिक और धार्मिक दिक्कतों को दूर कर सकें। उन्होंने कहा कि चौधरी सर छोटू राम जी की खुली सोच और इंसानियत की पहल को याद करते हुए उन्होंने देश के बंटवारे के बाद पंजाब को हरियाणा और हिमाचल में बांटकर छोटा करने के नेताओं के कामों पर अफसोस जताया और उन्हें फिर से एक करने की इच्छा जताई। स.मान ने कहा कि अगर हिमाचल-हरियाणा के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान का पंजाब एक हो जाएं तो दक्षिण एशिया का यह राज्य और खुशहाल और आर्थिक रूप से मजबूत होगा और डेमोक्रेसी और शांति बनाए रखने में भी मददगार होगा। स. मान ने सलाह देते हुए कहा कि सर चौधरी छोटू राम जी की महान शख्सियत और उनके द्वारा पहले हर वर्ग के लिए किए गए कामों को ध्यान में रखते हुए उनके नाम पर एक एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी बनाई जानी चाहिए जिसमें हरियाणा, हिमाचल, पंजाब और नॉर्थ चंडीगढ़ के लोगों को नई लीडरशिप मिलेगी और आपसी प्यार भी बहुत बढ़ेगा। इस यूनिवर्सिटी में पानी के बहाव के मुद्दे पर भी गहरी ट्रेनिंग दी जाएगी जिससे सिंधु, झेलम, रावी, ब्यास और सतलुज के पानी का सही इस्तेमाल और मैच्योरिटी के साथ हो सकेगा और सभी को पानी की बड़ी कीमत की गहरी समझ मिलेगी। यह यूनिवर्सिटी घग्गर नदी से हो रहे नुकसान से छुटकारा पाने के तरीके भी निकाल पाएगी, जो अक्सर बारिश के मौसम में हरियाणा और पंजाब के गांवों में जान-माल का नुकसान करती है। यहां यह भी बताना ज़रूरी है कि मेरे ऑफिस में मेरे बड़ों की एक यादगार जॉइंट फोटो भी लगी हुई है, जिनके सर चौधरी छोटू राम के साथ दोस्ताना रिश्ते थे, जो नीचे दी जा रही है। हरियाणा यूनिट के प्रेसिडेंट हरजीत सिंह विर्क ने कहा कि हमें सर छोटू राम की पॉलिसी को फॉलो करके काम करना चाहिए, जैसे सर छोटू राम सबकी भलाई के लिए काम करते रहे वैसे ही हमें भी सबको साथ लेकर चलना चाहिए और सबकी भलाई के लिए काम करते रहना चाहिए।

जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर के नेतृत्व में मनाया गया सीएम नायब सैनी का जन्मदिन

मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा कर रहा नए कीर्तिमान स्थापित : प्रवीण लाठर

करनाल, 25 जनवरी (सुमन लता) : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत भाजपा के कई बड़े नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री सैनी के जनसेवा के प्रति उनके समर्पण भाव की भी प्रशंसा की। मुख्यमंत्री नायब सैनी के जन्मदिवस के अवसर पर आज करनाल भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर के नेतृत्व में करनाल के अपना आशियाना में हरियाणा के यशस्वी मुख्य मंत्री नायब सैनी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में केक काटकर एवं लड्डू बांटकर खुशी का इजहार किया

एवं इस अवसर पर उनके उज्जवल भविष्य,लम्बी आयु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। इस मौके पर उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए जिलाध्यक्ष ने बताया कि सीएम नायब सिंह का जन्म जिला अंबाला के मिर्जापुर माजरा गांव में एक साधारण किसान परिवार के घर 25 जनवरी 1970 को हुआ था। उन्होंने डॉ. बीआर अंबेडकर, बिहार यूनिवर्सिटी मुजफ्फरपुर से स्नातक की डिग्री प्राप्त की और चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ से एल.एल.बी. की डिग्री हासिल की। जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर ने मुख्यमंत्री को जन्मदिन की बधाई देते हुए एवं उनकी तारीफ करते हुए कहा कि आज देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन और मुख्य मंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा प्रगति के नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। विकसित हरियाणा के संकल्प के साथ जनसेवा के पति आपका अटूट समर्पण हम सभी के लिए अनुकरणीय है। ईश्वर से प्रार्थना है कि आप सदा स्वस्थ और दीर्घायु रहे। आपके नेतृत्व में प्रदेश निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों को छूता रहे। इस अवसर पर उनके साथ शहरी मंडल अध्यक्ष मोहन लोधी,पार्षद सोनू, नवीन बत्रा,मोनिक गर्ग, गौरव नागपाल पूर्व मंडल अध्यक्ष बिशन सिंह शेखावत,पूर्व अर्बन मंडल अध्यक्ष सुनील गुप्ता, राहुल भटनागर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हर आयुवर्ग के उत्थान को संकल्पित मुख्यमंत्री सैनी : डॉ अरविंद शर्मा

सोनीपत, 25 जनवरी (ब्यूरो) : सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आमजन के हितों को समर्पित व्यक्तित्व हैं, जो हर आयुवर्ग के उत्थान को समर्पित रहते हैं। उन्होंने अपनी कार्यशैली और मेहनती व्यवहार से प्रदेश के पौने तीन करोड़ नागरिकों का मन जीता है, यही कारण है कि आज प्रदेश के कोने-कोने में आमजन उनकी लंबी उम्र की कामना कर रहा है।

रविवार को सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जन्मदिन पर गोहाना भाजपा कार्यालय में हवन यज्ञ में पूर्णाहुति डाली व कार्यकर्ताओं संग केक काटा। इसके उपरांत नई सब्जी मंडी परिसर में राजकुमार शर्मा द्वारा आयोजित 21 कुंडीय महायज्ञ एवं भण्डारे में शिरकत करते हुए पूर्णाहुति डाली व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के उत्तम स्वास्थ्य एवं व दीर्घायु की कामना की। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि आज प्रदेश की 36 बिरादरी, हर वर्ग मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जन्मदिन को धूमधाम से मना रहा है। भाजपा की सबका साथ-सबका विकास विचार को प्रदेश में मजबूती से आगे बढाते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी दिन रात आमजन की समस्याओं का निदान कर रहे हैं। सन्त कबीर कुटीर के 24 घण्टे खुले द्वार उनकी जनभावनाओं के प्रति गहरी आस्था और जिम्मेदारी को दर्शाती है। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा 217 संकल्प लिए गए, जिसमें से 56 संकल्प पूरे किए जा चुके और बाकी संकल्पों पर तेजी से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गरीब, वंचित, जरूरतमंद के उत्थान की बात हो या लाडो बहनों को पण्डित दीनदयाल उपाध्याय लाडो लक्ष्मी योजना के माध्यम से आर्थिक संरक्षण देना, इसके लिए मुख्यमंत्री ने अपने किए वायदे को जिम्मेदारी से निभाया है। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने गोहाना भाजपा कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 130वें संस्करण को कार्यकर्ताओं संग सुना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस कार्यक्रम के माध्यम से हर वर्ग को छूने व उसके उत्थान के लिए प्रयासरत रहते हैं। वर्ष 2025 में देश को विकसित भारत बनाने के संकल्प के साथ-साथ स्वदेशी अभियान को बढ़ावा देने का काम किया। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि देश को आर्थिक मोर्चे पर मजबूत करने के साथ-साथ युवाओं में आत्मविश्वास भरने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जा रहा है। मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से हमें युवाओं के साथ जुडक़र उन्हें आगे बढाने व उन्हें प्रेरित करने पर जोर देना चाहिए।

राजनीति का अर्थ सत्ता भोग नहीं बल्कि जनसेवा : कल्याण

गांव नगला चौंक में 80 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक केंद्र का किया शिलान्यास

घरौंड़ा, 25 जनवरी (नरेंद्र लाठर) : हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने आज नगला चौक पर 80 लाख रूपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक केंद्र का शिलान्यास किया। इससे पहले उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 130 वें एपिसोड को सुना। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ता व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। गांव में पहुंचने पर विधानसभा अध्यक्ष का फूल मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि सत्ता का अर्थ शक्ति नहीं, बल्कि जनता की निस्वार्थ सेवा है। वर्तमान सरकार ने राजनीति की परिभाषा बदल दी है, जहां अब राजनीति का

अर्थ सत्ता भोग नहीं बल्कि जनसेवा है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले यमुना बेल्ट के गाँवों की हालत दयनीय थी, गलियां कच्ची थीं और लोगों को केवल वोट बैंक समझा जाता था। हमने इस इलाके को वोट बैंक समझने के रिवाज को बदला है और पिछले 11 वर्षों में सड़कों का जाल, नए स्कूल, कॉलेज, आईटीआई और शुगर मिल जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स देकर विकास को नई गति दी है। उन्होंने ग्रामीणों को कहा कि गांव में 2 चौपालों की मंजूरी मिल गई है। जल्द ही टेंडर व अन्य प्रक्रियाओं के बाद इनका कार्य शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि एक गरीब परिवार से निकले प्रधानमंत्री ने ही गरीबी का दर्द समझा है। आज बिना खर्ची-पर्ची के मेरिट पर नौकरियां मिल रही हैं। आज गरीब का बच्चा बिना किसी सिफारिश या रिश्वत के, केवल मेरिट के आधार पर सरकारी अधिकारी बन रहा है। इसके साथ ही आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रूपये तक का मुफ्त इलाज व लखपति दीदी जैसी योजनाओं का लाभ सीधा जनता के खातों में पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता हर नागरिक की जिम्मेदारी है। सरकार ग्रांट देती है, लेकिन गांवों को साफ रखना युवाओं और पंचायतों का कर्तव्य है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को अच्छे संस्कार देने और उनकी पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने की अपील की ताकि वे एक बेहतर इंसान बन सकें। उन्होंने कहा कि 2014 की तुलना में आज फसलों के दाम लगभग दोगुने हो चुके हैं। जी राम जी योजना के तहत सरकार द्वारा 125 दिन के रोजगार की गारंटी दी गई है। अब सरकार ऐसा नियम लेकर आई है,जिसमें रजिस्ट्रेशन होने पर काम न मिलने पर भी पैसा दिया जाएगा। श्री कल्याण ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों पर खर्च होने वाला पैसा जनता की खून-पसीने की कमाई है, जिसे पूरी ईमानदारी से जनता की सुविधाओं पर ही खर्च किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि आने वाले समय में रिंग रोड और एनसीसी एकेडमी जैसे प्रोजेक्ट्स इस इलाके की तस्वीर पूरी तरह बदल देंगे।

सब की सेवा -रब की सेवा ट्रस्ट करेगा गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण और चाय ब्रेड पकौड़े का भंडारा

पंचकूला,25 जनवरी (सतीश मंगला): ट्राइसिटी की प्रसिद्ध धार्मिक एवं सामाजिक संस्था सब की सेवा -रब की सेवा ट्रस्ट से एडवोकेट संजय कुमार जैन एवं दिनेश गुप्ता ने विशेष जानकारी मे बताया कि सभी भारतवासियों के लिए 26 जनवरी गणतंत्र दिवस बहुत विशेष दिन है। इस दिन भारत को अपना स्वयं का संविधान

मिला। जिससे की सभी व्यक्तियों को कानूनी सहायता प्रदान हो एवं और उनके साथ किसी के द्वारा किसी प्रकार की हानि न हो। ट्रस्ट हर वर्ष 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के विशेष दिन पर ध्वजारोहण एवं भंडारे का कार्यक्रम करता रहा है। ओर आगे भी करता रहेगा। एडवोकेट संजय कुमार जैन एवं दिनेश गुप्ता ने बताया ट्रस्ट द्वारा पंचकुला सैक्टर 5 यवनिका पार्क में प्रात: 7.30 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा, उसके उपरांत ट्रस्ट के सदस्य एवं सुप्रभात ग्रुप के मित्रो के संग राष्ट्रगान किया जाएगा। वहां उपस्थित सभी को चाय ब्रेड पकौड़े का वितरण किया जाएगा।इस अवसर पर एडवोकेट संजय कुमार जैन, राकेश बिहारी गुप्ता, दिनेश गुप्ता, एस एस चौहान, विशाल गोयल (सोनू), विजय कपूर, तरसेम सिंह सैनी, सुखपाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस पर दिखेगा हरियाणा पुलिस के जवानों का जलवा

बाइक स्टंट और भव्य मार्च पास्ट मन मोह लेगा

पंचकूला,25 जनवरी (सतीश मंगला): गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों के तहत आज आयोजित फूल ड्रेस रिहर्सल के दौरान हरियाणा पुलिस के जांबाज जवानों ने अनुशासन, साहस और कौशल का शानदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। रिहर्सल के दौरान पुलिस जवानों ने बाइक पर हैरतअंगेज स्टंट दिखाकर अपनी

दक्षता और साहस का परिचय दिया, जिसे देख उपस्थित अधिकारी और दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। इसके साथ ही फूल ड्रेस रिहर्सल के दौरान निकाले गए भव्य और सुसंगठित मार्च पास्ट ने परेड की गरिमा को और बढ़ा दिया। इस अवसर पर जवानों द्वारा सामूहिक रूप से प्रस्तुत की गई मास पीटी ने उनकी शारीरिक क्षमता, एकजुटता और अनुशासन को दर्शाया। पूरी रिहर्सल के दौरान परेड ग्राउंड देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। उल्लेखनीय है कि गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह के दौरान आयोजित होने वाली इस भव्य परेड का नेतृत्व परेड़ कमांडर प्रतीक अग्रवाल, एएसपी रोहतक द्वारा किया जाएगा। प्रशासन द्वारा समारोह को सफल और यादगार बनाने के लिए सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। 26 जनवरी को आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष बतौर मुख्य अतिथि ध्वजारोहण करेंगे और परेड़ का निरीक्षण भी करेंगे।

बाबा गैबी साहब मंदिर नरवाना का वार्षिकोत्सव 1 फरवरी से, तैयारियां जोरों पर

महंत अजय गिरी जी महाराज ने बैठक बुलाकर विभिन्न संस्थाओं को सौंपी जिम्मेदारियां

नरवाना, 25 जनवरी (नरेन्द्र सिंहमार): नगर के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बाबा गैबी साहब मंदिर का वार्षिकोत्सव इस वर्ष भी श्रद्धा और धूमधाम

के साथ मनाया जाएगा। वर्ष 2026 का वार्षिकोत्सव 1 फरवरी से आरंभ होने जा रहा है जिसको लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं।इसी क्रम में मंदिर प्रांगण में महंत अजय गिरी महाराज की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर की विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं को स्वागत द्वार, सजावट, सुरक्षा व अन्य व्यवस्थाओं की जिम्मेदारियां सौंपी गईं। महंत अजय गिरी महाराज ने सभी से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यह उत्सव केवल मंदिर का नहीं बल्कि पूरे शहर की आस्था का प्रतीक है।वार्षिकोत्सव के शुभारंभ अवसर पर 1 फरवरी दोपहर 2 बजे भव्य शोभायात्रा एवं कलश यात्रा निकाली जाएगी जो सनातन धर्म मंदिर से प्रारंभ होकर पंजाबी चौक होते हुए बाबा गैबी साहब मंदिर प्रांगण में संपन्न होगी।इसके पश्चात प्रतिदिन दोपहर 2 बजे भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा जिसमें कथावाचक धर्मपाल अपने मुखारविंद से श्रद्धालुओं को कथा रसपान कराएंगे।वार्षिकोत्सव का समापन 8 फरवरी को प्रात: हवन-यज्ञ के साथ होगा, जिसके बाद श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। बैठक में शेरा मोर, तरसेम शर्मा, सुभाष चहल, भारत भूषण, माला चोपड़ा, बीरबल शर्मा, पार्षद आशुतोष शर्मा, कर्मवीर सैनी, सतीश सैनी, विकास मित्तल, सतीश सेतिया, भूरा मोर, काकू शर्मा, रमेश मोर, पंडित विकास पुजारी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

देवी मंदिर में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जन्मदिन पर हवन का आयोजन

- विधायक रामकुमार कश्यप ने हवन में आहुति डाल की दीर्घायु की कामना

इन्द्री, 25 जनवरी (बिशपाल राणा) : हरियाणा के यशस्वी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जन्मदिन के अवसर पर इन्द्री देवी मंदिर में हवन यज्ञ

किया गया। विधायक एवं गवर्मेंट चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप ने आहुति डाल कर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और यशस्वी नेतृत्व के लिए मंगल कामना की। इस मौक पर विधायक रामकुमार कश्यप ने कहा कि आज का दिन प्रदेश के लिए हर्ष का विषय है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को लंबी आयु और अपार शक्ति प्रदान करें, ताकि वे इसी प्रकार निस्वार्थ भाव से हरियाणा प्रदेश की सेवा करते रहें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और समाज के अंतिम व्यक्ति तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँच रहा है। हवन यज्ञ के दौरान विधायक ने इन्द्री विधानसभा क्षेत्र सहित पूरे हरियाणा प्रदेश में शांति, खुशहाली और निरंतर विकास के लिए भी प्रार्थना की। इस अवसर पर मार्किट कमेटी चेयरमैन महेन्द्र प्रेमी व दीपक सैनी, पूर्व चेयरमैन अमित गोयल , मंडल अध्यक्ष विजय कश्यप व संजय कंबोज, पार्षद सेठ पाल वर्मा व राजेन्द्र मिढा, कष्ट निवारण समिति सदस्य पाला राम, सरपंच शमशेर व श्याम, पवन सिंगला, सतीश भाटिया, सुभाष खेड़ा, कृष्ण सैनी, अनुराग वर्मा,चेयरमैन प्रतिनिधि बलिंद्र कटारिया , मंडल उपाध्यक्ष अनुज गर्ग , जय प्रकाश गोयल,संजय शर्मा,बलजीत राणा सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी हवन में आहुति डाली और मुख्यमंत्री को उनके जन्मदिन की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की।

मनरेगा योजना को बंद करने की सरकार द्वारा सोची समझी साजिश : शमशेर सिंह गोगी

मूनक, 25 जनवरी (जय भगवान) : असंध विधानसभा क्षेत्र के गांव मूनक बाल्मीकि धर्मशाला में कांग्रेस पार्टी के पूर्व विधायक शमशेर सिंह गोगी ने एक मीटिंग का आयोजन किया गया। इस मीटिंग के माध्यम से

उन्होंने मनरेगा योजना को लेकर केंद्र की बीजेपी सरकार द्वारा रची जा रही साज़िशों से नागरिकों को अवगत कराने के उद्देश्य से जागरूकता बैठक की गई। बैठक के दौरान केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ़ एकजुट होकर कड़ा विरोध दर्ज कराया गया तथा मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना को कमजोर करने के हर प्रयास की निंदा की गई।कांग्रेस पार्टी गरीब, मजदूर और किसान के अधिकारों की रक्षा के लिए सड़क से लेकर संसद तक पूरी ताक़त और प्रतिबद्धता के साथ संघर्ष करती रहेगी। इस बैठक में फोम सिंह राजीव गांधी पंचायत राज योजना हरियाणा, सुरजीत राणा पूर्व चेयरमैन, जितेंद्र चोपड़ा, जसबीर सरपंच एंचला, तेजेंद्र सिंह सरपंच खेरी मूनक, रामफल शर्मा, खेम चंद ओड, सुखबीर मान सरदार बलिहार सिंह सरदार रविन्द्र उर्फ सनी, राजेश सिरसवाल, हरिओम नागर असंध , मूलचंद, प्रदीप तथा गांव मूनक के मजदूर और कमेरा वर्ग के व्यक्तियों द्वारा इस बैठक में भाग लिया।

गणतंत्र दिवस कुरुक्षेत्र-लाडवा विशेषांक

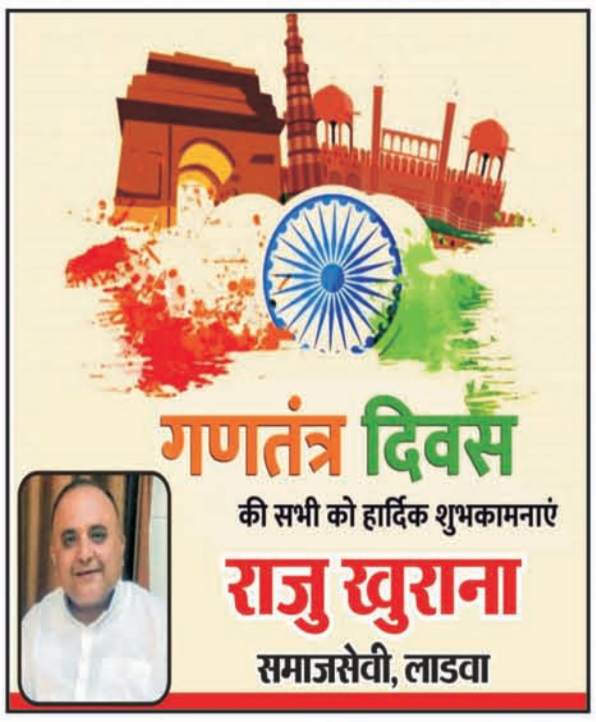

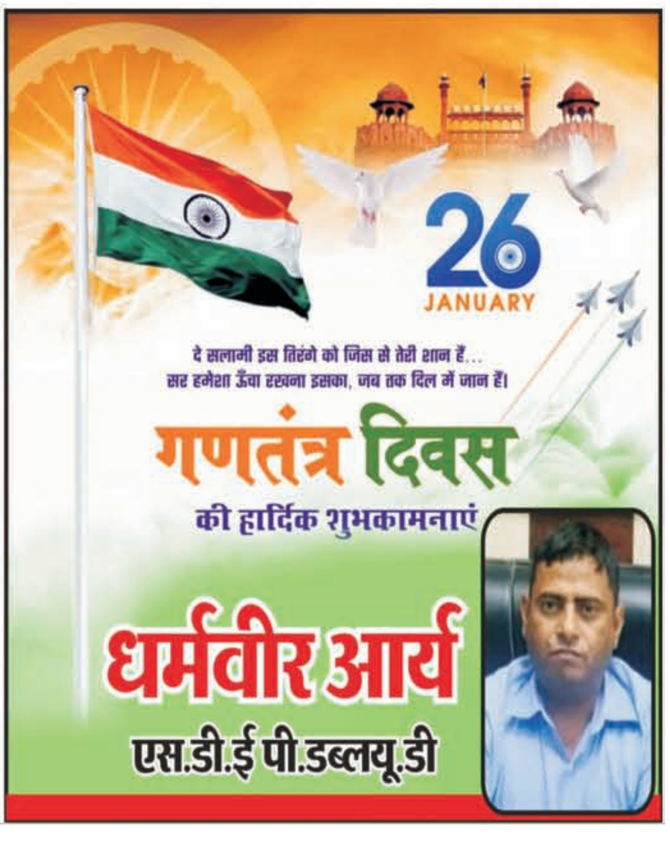

तेज याददाश्त के लिए बच्चों को पौष्टिक आहार दें

बच्चे की याददाश्त बचपन से ही तेज कैसे रखी जाए। यह बात सभी अभिभाव सोचते हैं। इसके लिए अधिकतर लोग बेहतर खानपान पर जोर देते हैं पर इतना ही काफी नहीं है। याददाश्त बढ़ाने के लिए आपको बच्चे के साथ कुछ छोटी-छोटी दिमागी कसरतें भी करनी होगीं।

मान लीजिये अगर आप कहीं घूमने गये हैं और वहां किसी रेस्टोरेंट में खाना खाने गए तो लौटकर उससे जुड़े सवाल करें। घर लौटने के बाद आप बच्चे से रेस्टोरेंट से जुड़ी कुछ बातें पूछिए। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि आप जो सवाल बच्चों से पूछें उनके जवाब आपको भी याद हों। जैसे रेस्टोरेंट में आप किस और बैठे थे वहां किस रंग की फोटो लगी थी या उससे जुड़े कोई खास सवाल। ध्यान रहे ये जवाब आप को भी आने चाहिये।

लेफ्ट-राइट एक्सरसाइज याददाश्त बढ़ाने का बेहद खास तरीका है। इसमें बच्चे के सामने कई सारे खिलौने रखे होते हैं और उन्हें उन खिलौनों को दाईं या बाईं ओर रखने के लिए कहा जाता है। उदाहरण के लिए बच्चे को कुछ गेंदें दीजिए और उन्हें दाईं ओर रखी टोकरी में रखने के लिए कहिए। दूसरे दिन भी उसे गेंद को वहीं रखने के लिए कहिए, पर तीसरे दिन गेंदों को बाईं ओर रखने के लिए कह दीजिए। बच्चे का हाथ पहले दाईं ओर ही बढ़ेगा। पर, लगातार इस तरह के एक्सरसाइज से उसकी मानसिक सतर्कता और याददाश्त मजबूत होगी।'

जैसा कि आप जानती ही हैं कि अंग्रेजी में दो तरह के अक्षर होते हैं, स्वर और व्यंजन। अब पढ़ाई के बाद आपको बच्चे के साथ इन्हीं वॉवेल से जुड़ा खेल खेलना है। कागज पर एक बॉक्स बनाएं और उसमें अंग्रेजी के कुछ अक्षर लिखें। बच्चे से उन शब्दों को काटने के लिए कहें, जिसमें वॉवेल न हों। इस तरह से बच्चे की अंग्रेजी तो अच्छी होगी ही, उसकी दिमागी एक्सरसाइज भी होगी।

घर के कामों में लगाएं

किचेन में काम करते हुए बच्चे को भी काम में शामिल कीजिए। उन्हें कुकिंग से जुड़े छोटे-छोटे काम करने के लिए बोलें ताकि वो जान जाएं कि कौन-सी चीज कहां रखी है? अब अगले दिन उन्हें फिर से वही चीजें आपको रसोई से लाकर देने के लिए कहें। इससे होगा यह कि आपको पता चलेगा कि चीजें कहां रखी हैं, बच्चे को यह याद भी है या नहीं। जैसे आप बच्चे से प्याज लाने के लिए बोलिए। अगले दिन जब वो फिर यही काम करेगा तो दिमाग पर जोर डालेगा कि मां ने प्याज कहां रखे थे।

नंबर गेम का कमाल

डिजिट स्पैन मतलब वो एक्सरसाइज जो बच्चे की याददाश्त बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। इसके लिए बच्चे के सामने कुछ अंक बोलिए और उन्हें याद करने के लिए कहिए। अगले दिन बच्चे को आपको वो सारे अंक बताने होंगे। इसके लिए फोन नंबर का इस्तेमाल किया जा सकता है। आप कोई ऐसा नंबर बच्चे के सामने बोलिए जो उसे याद कराना ही हो। अब अगले कुछ दिनों तक बच्चे से वह नंबर नियमित रूप से पूछती रहें। खेल-खेल में उसकी याददाश्त बढ़ेगी।'

इस एक्सरसाइज में बच्चा बेडरूम में ही कहीं भी अपना पसंदीदा खिलौना रख कर आएगा और दूसरे दिन उसे वहां से लेकर भी आएगा। वो भूल ना पाए, इसके लिए आपको संकेत देते रहने होंगे। बच्चे से कहिए कि वो बेडरूम की किसी खास ड्राअर में अपना खिलौना रखे। कुछ देर बाद या दूसरे दिन उससे वही खिलौना लाने के लिए बोलें। इस तरह से वो जब भी अपना सामान कहीं रखेगा तो जगह याद रखेगा। दोबारा उसे वो जगह सोचनी नहीं पड़ेगी।'

बच्चों को नुकसान पहुंचाने वाले उत्पाद न लें

घर में छोटे बच्चे हो तो हर सदस्य का ध्यान उसकी तरफ ही रहता है। बच्चे के लिए घर में कई तरह के खिलौने भी लाए जाते हैं। उसके लिए साइकिल,वॉकर,छोटे-छोटे खिलौने ला कर रख दिये जाते हैं। कई बार बच्चे के प्यार में जाने-अनजाने अभिभावक कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं,जिससे बच्चे की सेहत को नुकसान पहुंच सकता है। आपके घर में भी छोटा बच्चा है। तो इन बातों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। आपके लिए जानना जरूरी है कि कौन से बच्चों के उत्पाद नुकसान पहुंचा रहे हैं।

टीथर -बच्चे रंग-बिरंगे खिलौने देखकर बहुत खुश होते हैं और हर चीज को मुंह में डालते हैं। आप शायद इस बात को नजरअंदाज कर रहे हैं कि इस खिलौने से बच्चे को संक्रमण होने का डर रहता है। बच्चे को यह खिलौने देने से पहले इस पर धूल मिट्टी के कण पड़े होते हैं। जिसे बहुत से लोग बार-बार साफ नहीं करते और कई बार तो बडे लोगों के हाथ के कीटाणु भी इस पर लग जाते हैं। वाकर -बच्चा जल्दी चलना सीख

लें इसलिए ज्यादातर लोग बच्चे को वॉकर लाकर दे देते हैं। माना जाता है कि इसमें बैठकर वह जल्दी चलना सीख जाते हैं और मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं।

बच्चों से होमवर्क करवाना सरल नहीं होता, सहजता से पेश आएं

बच्चों से होमवर्क कराना अभिभावकों के लिए कठिन टास्क होता है। सही मायने में यह किसी चुनौती से कम नहीं। बच्चे स्कूल में भले पढ़ लें, लेकिन घर पर होमवर्क कराना मां के लिए बेहद कठिन होता है। उनके पास होमवर्क न करने के तमाम बहाने होते हैं। ऐसे में कौन-सा तरीका अपनाया जाए, जिससे होमवर्क से बच्चों की दोस्ती हो जाए, यह जानना जरूरी है।

प्रेरित करें --आमतौर पर बच्चों से काम पूरे करने के बदले अभिभावक उनकी फरमाइश पूरी करने का वादा करते हैं, लेकिन बाद में टाल देते हैं। ऐसे में बच्चे का आप पर भरोसा कम होने लगता है। उसे प्रोत्साहित करें। हमेशा अपनी सुविधा और समय का ही ख्याल न रखें, बच्चे के मूड पर भी ध्यान दें। बच्चे के साथ अपना समय बितायें।

होमवर्क की अहमियत समझाएं--बच्चों को होमवर्क की अहमियत समझाना जरूरी है। कई अभिभावक बच्चों का होमवर्क खुद कर देते हैं। ऐसा न करें, बच्चे को उसकी जिम्मेदारी समझाएं। धीरे-धीरे उनमें होमवर्क समय पर करने की आदत पड़ेगी। कोर्स से हट कर भी किताबें उनके लिए लाएं, जो रोचक हों। खेल-खेल में पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करें।

प्रतिदिन अभ्यास जरुरी --बच्चों की पढ़ाई का समय तय करें और उस समय उन्हें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। चाहे उसे स्कूल से होमवर्क मिले या न मिले, लेकिन उसके रूटीन को टूटने न दें। लिखने का प्रैक्टिस भी बहुत जरूरी है। साथ बैठे, उन्हें काम देकर रसोईघर या फोन पर बातें न करने लगें।

पढ़ाई को रोचक बनाना बहुत जरूरी है--बच्चों को समय देना बहुत जरूरी है। पढ़ाई को रोचक बनाने का प्रयास करें। जैसे अगर आप उसे बटरफ्लाई की लाइफ साइकिल के बारे में पढ़ा रही हैं, तो केवल बुक पर निर्भर न रहें, बल्कि यूट्यूब पर इससे जुड़े विडियो भी दिखाएं, रोचक जानकारियां जुटाएं, चार्ट बनाकर उनकी जानकारी बढ़ाएं।

रूटीन बनाएं, दबाव न डालें--अभिभावक बच्चों के होमवर्क के लिए परेशान हो जाते हैं, उनपर दबाव बनाते हैं। इससे बच्चों के मन में डर पैदा हो सकता है, और वे पढाई से दूर भागने लगते हैं। पढ़ने का समय तय करें और उस समय खुद को फ्री रखें।

रसायनयुक्त माउथफ्रेशनर का प्रयोग न करें

अगर आज मानते हैं कि माउथ फ्रेशनर की आवश्यकता केवल बड़ों को होती है तो अपना विचार बदल दें। इसका कारण है कि बच्चों के भी दांत खराब हो सकते हैं इसलिए हमारी तरह ही छोटे बच्चों को भी माउथ फ्रेशनर की आवश्यकता होती है पर बाजार में बिकने वाले माउथ फ्रेशनर उनके लिए नुकसानदेह हो सकते हैं क्योंकि उनमें बहुत अधिक मात्रा में रसायन होते हैं।

ऐसे में उनके लिए एक ऐसा माउथ फ्रेशनर होना चाहिए जो पूरी तरह प्राकृतिक हो और स्वाद में भी कड़वा न हो। आप चाहें तो अपने बच्चों के लिए घर पर ही माउथ फ्रेशनर तैयार कर सकती हैं। अनार के छिलकों का इस्तेमाल करके माउथ फ्रेशनर बनाया जा सकता है। ये माउथ फ्रेशनर न केवल बच्चों के लिए फायदेमंद रहेगा बल्किर बड़े भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं. अनार के छिलके में एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाया जाता है, जो ओरल हेल्थ के लिए अच्छा होता है। अनार के छिलके से तैयार माउथ फ्रेशनर मुंह के अल्सर और मुंह की दुर्गंध को दूर करने का काम करता है। अनार का एंटी-माइक्रोबायल एक्टिविटी स्ट्रेपटोकोक्स म्यूटेन बैक्टीरि?या को पनपने नहीं देता है. कैसे तैयार करें अनार के छिलके का माउथ फ्रेशनर?

अनार को काटकर उसके दानों को सफाई से निकाल लें. अनार के छिलके को धूप में सूखने के लिए रख दें। जब छिलके पूरी तरह सूख जाएं तो उन्हें पीसकर पाउडर तैयार कर लें।

एक गिलास पानी में एक चम्मच इस पाउडर को मिलाकर उबालें। इसे ठंडा होने दें। जब ये घोल ठंडा हो जाए तो इस छान लें।

इस तरल को किसी जार या शीशी में भरकर रख दें। आपका माउथ फ्रेशनर तैयार है. बच्चा जब भी कुछ खाए तो उसे माउथ फ्रेशनर से मुंह साफ करने की आदत डालें। ऐसा करने से दांतों में कैविटी की समस्या भी नहीं होगी।

बच्चों के बोर्ड एग्जाम जल्द, तनावमुक्त बनाए रखें

12 वहीं बोर्ड परीक्षा छात्रों के लिए बॉर्ड परीक्षा बेहद महत्वपूर्ण होती है। पूरे साल मेहनत करने के बाद छात्रों को बॉर्ड परीक्षा देनी होती है। अगर आपकी बॉर्ड परीक्षा इस साल है, तो इन जरुरी टिप्स को जरुर फॉलो करें। सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2025 की डेटशीट जारी होने के बाद कई विद्यार्थियों को परीक्षा का तनाव महसूस होने लगा है। छात्रों में बॉर्ड परीक्षा को लेकर काफी चिंता तो रहती है, लेकिन कोशिश करें कि आप इसे हावी न होने दें। अन्यथा आपका परीक्षा प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। बॉर्ड परीक्षा के लिए पढ़ाई पर ध्यान देना जरुरी है और तनाव से दूर रहे। आप परीक्षा के बारे में चिंता करने के बजाय किसी भी तनाव को कम करने के लिए आप ये उपाय करें।

शारीरिक रुप से स्वस्थ रहे

-नियमित व्यायाम करें- व्यायाम मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ाता है और तनाव को कम करता है।

स्वस्थ आहार का सेवन- अगर आप पौष्टिक भोजन का सेवन करेंगे तो शरीर और दिमाग को शक्ति मिलती है। पर्याप्त नींद लें- हर दिन 7 से 8 घंटे की नींद लेने से तनाव कम करने में मदद मिलती है और दिमाग भी स्वस्थ रहता है।

दोस्तों और परिवार से सहयोग

परिवार का समर्थन- बॉर्ड परीक्षा की तैयारी करते समय, परिवार का सपोर्ट बेहद आसान कर देता है।

दोस्तों से सहयोग- यदि आप अपने दोस्तों के साथ समय बिताते हैं, तो पढ़ाई में काफी एनर्जी मिलती है।

शिक्षको का सहयोग- अपने टीचर के सलाह का पालन करके आप अपने विषयों को आसानी से समझ सकते है। योग और मेडिटेशन करें- योग और ध्यान के अभ्यास करने से मानसिक शांति को बढ़ावा देते हैं और तनाव के स्तर को कम करते हैं। सकारात्मक सोचे- आप जितना सकारात्मक सोचेंगे उतना ही तनाव कम होगा और आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

समय प्रबंधन- टाइम मैनजमेंट का अभ्यास करने से तनाव कम होता है और शिक्षा पर ध्यान केंद्रित होता है।

अभ्यास- दैनिक अभ्यास से तनाव कम होता है और आत्मविश्वास बढ़ता है।

ग्रुप स्टडी - दूसरों के साथ अध्ययन करने से तनाव कम होता है और भ्रम दूर होता है।

यदि आप बोर्ड परीक्षाओं में सफल होना चाहते हैं तो आपको तुरंत पढ़ाई शुरू कर देनी चाहिए। दो महीनों में, आप आसानी से पूरा पाठ्यक्रम पूरा कर सकते हैं, जिसके बाद आप दोहराना शुरू कर सकते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि आप खुद पर दबाव न डालें।

समय से पहले युवा होते किशोरों में घट रही सीखने की क्षमता - समय से पहले युवा होने वाले किशोरों में सीखने की क्षमता कम होती है। आजकल जिस प्रकार मिलावट हो रही है और खानपान में रसायनों का प्रयोग बढ़ राह है उससे बच्चे समय से पहले किशोर हो रहे हैं। हाल में हुए एक ताजा अध्ययन के अनुसार युवावस्था के दौरान प्यूबर्टी (यौवन से संबंधित) हॉर्मोन सीखने की क्षमता को बाधित करते हैं।

शोधकर्ताओं के मुताबिक, इस तरह का बदलाव ये हॉर्मोन मस्तिष्क के एक खास हिस्से को प्रभावित करते हैं।बार्कले स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में एसोसिएट प्रोफेसर व अध्ययन की मुख्य लेखक लिंडा विलब्रेख्त ने कहा,हमने पाया है कि यौवन से संबंधित हॉर्मोन मस्तिष्क के फ्रंटल कॉर्टेक्स के लिए एक लिंक की तरह काम करता है, जो सीखने की क्षमता में बाधा पैदा करता है।

विलब्रेख्त ने कहा, आधुनिक शहरी परिवेश में लड़कियां तनाव और मोटापे की समस्या के कारण समय से पहले बड़ी हो रही हैं, जो स्कूलों में उनके खराब प्रदर्शन और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा है।

जानवरों में जब प्यूबर्टी से संबंधित हॉर्मोन इंजेक्ट किया गया, तो शोधकर्ताओं ने उनके फ्रंटल कॉर्टेक्स के तंत्रिका संचार में महत्वपूर्ण बदलाव देखा। ये बदलाव फ्रंटल मस्तिष्क में हुए, जो सीखने, ध्यान देने तथा स्वभाव के नियंत्रण से जुड़ा है। अध्ययन का नेतृत्व करने वाले लेखक ने कहा, हमारी जानकारी में यह पहला अध्ययन है, जो यह दर्शाने में कामयाब हुआ है कि यौवन से संबंधित हॉर्मोन कॉर्टेक्स के तंत्रिका संचार में बदलाव लाते हैं।

बेल्डिग स्क्रिब्नर-किडनी डायलिसिस के मुख्य आविष्कारक

- संजय गोस्वामी

बेल्डिंग स्क्रिब्नर का जन्म 18 जनवरी, 1921 को शिकागो में हुआ था और उन्होंने विलियम्स कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफ़ोर्निया एट बर्कले और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ़ मेडिसिन में पढ़ाई की, जहाँ उन्हें 1945 में रू.ष्ठ. की डिग्री मिली। स्टैनफोर्ड में वे डॉ. थॉमस एडिस के मार्गदर्शन में आए, जिन्होंने सबसे पहले उन्हें किडनी की बीमारी की चुनौतियों से परिचित कराया। उन्होंने सैन फ्रांसिस्को जनरल हॉस्पिटल में इंटरनल मेडिसिन में रेजिडेंसी पूरी की, जिसके बाद मेयो क्लिनिक में मेडिसिन में फेलोशिप की। मेयो क्लिनिक में रहते हुए, डॉ. स्क्रिब्नर ने पहली बार जॉन मेरिल के एक लेक्चर से कोल्फ़-ब्रिघम रोटेटिंग ड्रम आर्टिफिशियल किडनी के अनुभव के बारे में सुना। बेल्डिंग एच स्क्रिब्नर ने एक ऐसे डिवाइस का आविष्कार किया, जिसका श्रेय दुनिया भर में किडनी फेलियर वाले दस लाख से ज़्यादा मरीज़ों की जान बचाने को जाता है। हालाँकि शुरुआत में उनके काम का मज़ाक उड़ाया गया था, लेकिन यह उनके आविष्कार की असाधारण सफलता ही थी जिसने एक बड़े नैतिक दुविधा को जन्म दिया। मशहूर रॉबर्ट विलियम्स द्वारा सिएटल में भर्ती किए जाने के बाद, वे 1951 में वाशिंगटन यूनिवर्सिटी में फैकल्टी में शामिल हुए और 1958 में उस संस्थान में नेफ्रोलॉजी डिवीजन के पहले प्रमुख बने, इस पद पर वे 24 साल तक रहे। वे 1990 में वाशिंगटन यूनिवर्सिटी में एमेरिटस प्रोफेसर ऑफ़ मेडिसिन बने और 1984 से 1991 में अपनी रिटायरमेंट तक बेल्डिंग एच. स्क्रिब्नर एंडाउड चेयर इन मेडिसिन के पद पर रहे। रिटायरमेंट के बाद, वे कई सालों तक हर हफ़्ते नेफ्रोलॉजी डिवीजन में लौटते रहे ताकि मेडिकल छात्रों को अपनी बहुत लोकप्रिय फ्लूइड और इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस क्लास पढ़ाते रहें। नेफ्रोलॉजी में डॉ. स्क्रिब्नर का योगदान उस काम से कहीं ज़्यादा था जिसने पहली बार क्रोनिक डायलिसिस को संभव बनाया। आने वाले सालों में, उन्होंने इस नई टेक्नोलॉजी को दुनिया भर के डॉक्टरों के साथ उत्साह से साझा किया, जो अपने मरीज़ों को क्रोनिक डायलिसिस कैसे देना है, यह सीखने के लिए सिएटल आए थे। उन्होंने अपने प्रोडक्टिव करियर का बाकी समय एंड-स्टेज रीनल केयर के कई

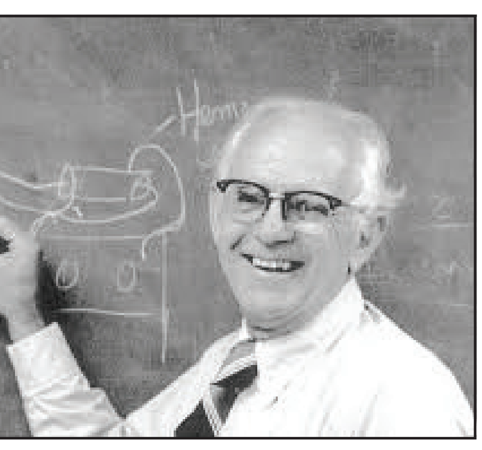

पहलुओं पर अथक प्रयास करते हुए बिताया, जिसमें डायलिसिस ट्रीटमेंट की टेक्नोलॉजी में सुधार से लेकर सामान्य मेडिकल और सामाजिक मुद्दे शामिल थे जो एंड-स्टेज रीनल बीमारी वाले मरीज़ों की इस नई और बढ़ती आबादी के कारण पैदा हुए थे। वे और वाशिंगटन यूनिवर्सिटी में उनके ग्रुप ने क्रोनिक रीनल फेलियर वाले मरीज़ों को होने वाली कई मेडिकल समस्याओं, जैसे एनीमिया, रीनल ऑस्टियोडिस्ट्रॉफी और तेज़ कार्डियोवैस्कुलर बीमारी, को परिभाषित करने और उनके सफल इलाज को डिज़ाइन करने में सबसे आगे थे। उन्होंने होम हेमोडायलिसिस/सेल्फ केयर की शुरुआत की। रात भर पेरिटोनियल डायलिसिस के लिए नई मशीनों के विकास के साथ इंटरमिटेंट पेरिटोनियल डायलिसिस को एक उपचार पद्धति के रूप में बेहतर बनाया गया। टेंकऑफ कैथेटर को हेनरी टेंकऑफ ने वाशिंगटन विश्वविद्यालय में डॉ. स्क्रिब्नर के कार्यक्रम में काम करते हुए विकसित किया था। डॉ. स्क्रिब्नर के कृत्रिम आंत के विजन से सिएटल में ब्रोवियाक-हिकमैन, बाद में हिकमैन, कैथेटर का विकास हुआ और यह आज की रूटीन टोटल पैरेंट्रल न्यूट्रिशन थेरेपी का आधार बना। डॉ. स्क्रिब्नर का दृढ़ विश्वास था कि डायलिसिस मुख्य रूप से अस्पताल के बाहर किया जाना चाहिए, इसे कभी भी लाभ के लिए नहीं किया जाना चाहिए, और यह सार्वभौमिक रूप से उपलब्ध होना चाहिए। न तो स्क्रिब्नर शंट, और न ही इसके बाद डायलिसिस में हुए किसी भी तकनीकी विकास का कभी पेटेंट कराया गया। 1962 में, किंग काउंटी मेडिकल सोसाइटी के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. जेम्स हैविलैंड के साथ मिलकर, डॉ. स्क्रिब्नर ने संयुक्त राज्य अमेरिका में पहली गैर-लाभकारी, आउट पेशेंट डायलिसिस सुविधा, सिएटल आर्टिफिशियल किडनी सेंटर की स्थापना की, जो तब से बढ़कर अभी भी गैर-लाभकारी नॉर्थवेस्ट किडनी सेंटर बन गया है, जिसमें 12 सैटेलाइट सुविधाएं हैं जो सिएटल/प्यूगेट साउंड क्षेत्र में 1000 से अधिक रोगियों का डायलिसिस करती हैं। 1962 में, उन्होंने दुर्लभ और बहुत महंगी डायलिसिस संसाधनों के आवंटन के संबंध में निर्णय लेने के लिए पहली गुमनाम आम समिति की स्थापना में भी मदद की, ताकि उनसे सबसे अधिक लाभ उठाने वालों को इसका फायदा मिल सके। एक जटिल नैतिक मुद्दे से निपटने के इस तंत्र को अक्सर बायोएथिक्स के आधुनिक अनुशासन की शुरुआत के रूप में जाना जाता है, और डॉ. स्क्रिब्नर को बायोएथिक्स का जनक कहा जाता है। अंत में, वाशिंगटन के सीनेटर हेनरी जैक्सन और वॉरेन मैग्नसन के समर्थन से, डॉ. स्क्रिब्नर ने 1972 में कांग्रेस को मेडिकेयर एंड-स्टेज रीनल डिजीज प्रोग्राम बनाने वाला कानून पारित करने के लिए राजी करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसने यह सुनिश्चित किया कि सभी अमेरिकियों को जिन्हें इसकी आवश्यकता थी, उन्हें क्रोनिक डायलिसिस थेरेपी तक पहुंच मिलेगी। अपने पूरे करियर और रिटायरमेंट के दौरान, स्क्रिब ??एक पक्के आविष्कारक थे, जिन्होंने न केवल डायलिसिस तकनीक में सुधार पर लगातार काम किया, बल्कि सिएटल में अपने हाउसबोट के डेक से अपने प्यारे रेडियो-नियंत्रित मॉडल हवाई जहाज उड़ाने पर भी काम किया, जिसे वह अपनी पत्नी एथेल के साथ साझा करते थे। लास्कर अवॉर्ड के अलावा, उन्हें और भी सम्मान मिले, जिनमें अमेरिकन सोसाइटी ऑफ़ आर्टिफिशियल इंटरनल ऑर्गन्स (1964) और अमेरिकन सोसाइटी ऑफ़ नेफ्रोलॉजी (1978) के प्रेसिडेंट के तौर पर काम करना, इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिसिन की मेंबरशिप, और अमेरिकन कॉलेज ऑफ़ फिजिशियन और रॉयल कॉलेज दोनों में फेलोशिप शामिल हैं।डॉक्टरों, और कई पुरस्कारों के प्राप्तकर्ता, जिनमें अमेरिकन सोसाइटी ऑफ़ नेफ्रोलॉजी से जॉन पीटर्स पुरस्कार, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ़ नेफ्रोलॉजी से जीन हैम्बर्गर पुरस्कार, नेशनल किडनी फाउंडेशन से डेविड ह्यूम पुरस्कार, अमेरिकन किडनी फंड से टॉर्चबियरर पुरस्कार, गार्डनर फाउंडेशन से एक पुरस्कार, और कई अन्य शामिल हैं।

गणतंत्र दिवस चिड़ाव (जिला-करनाल) विशेषांक

दर्शन अकैडमी कालका में वसंत पंचमी का उत्सव

कालका, 25 जनवरी (अख्तर फारूकी,अजीत सिंह): दर्शन अकैडमी, कालका में बसंत पंचमी का पावन पर्व बड़े ही श्रद्धा, उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह पर्व विद्या, बुद्धि और कला की देवी माँ सरस्वती को समर्पित है। इस शुभ अवसर पर विद्यालय में एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण तथा सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पण कर किया गया। प्रधानाचार्य एवं शिक्षकगण के साथ-साथ विद्यार्थियों ने भी श्रद्धापूर्वक माँ सरस्वती को पुष्प अर्पित किए और विद्या, बुद्धि तथा सद्बुद्धि की कामना की। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा बसंत पंचमी के महत्व पर सुंदर एवं प्रेरणादायक भाषण प्रस्तुत किए गए। कुछ विद्यार्थियों ने इस पर्व पर आधारित मधुर कविताएँ सुनाईं। इसके अतिरिक्त छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना पर मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य निखिल खुराना ने विद्यार्थियों को बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और इस पर्व के धार्मिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं संस्कारों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

रक्तदान शिविर का आज किया जाएगा आयोजन

पिंजौर, 25 जनवरी (अजीत सिंह,अख्तर फ़ारूक़ी): ऑर्बिटल एकेडमी के संचालक आरिफ ने जानकारी देते हुए बताया कि आज 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस) के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर गुग्गा माड़ी नं. 1, रज्जिपुर में लगाया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9:30 बजे ध्वजारोहण समारोह से होगी । रक्तदान शिविर सुबह 10 बजे से शुरू किया जाएगा। इस रक्तदान शिविर का आयोजन भगत रौनकी राम मेमोरियल सेवा सोसायटी, श्री शिव कांवड़ सेवा संघ, न्यू जनरेशन यूथ क्लब एवं हिम वेदा हर्बल्स के सहयोग से किया जा रहा है। रक्तदान शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त उपलब्ध कराना और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। रक्तदान एक महादान है क्योंकि रक्त का कोई अन्य विकल्प नहीं है। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रक्तदान करने और इस पुण्य कार्य में योगदान देने की अपील की है। रक्तदान करके किसी ज़रूरतमंद की जिंदगी बचाई जा सकती है।

15 फरवरी को पानीपत में होगी ओबीसी बिग्रेड की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक : राजेंद्र तंवर

असंध , 25 जनवरी (दलसिह मान): ओबीसी बिग्रेड की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन 15 फरवरी को पानीपत में किया जाएगा। जिसमें पिछड़े वर्ग के विभिन्न मुद्दों को लेकर चर्चा की जाएगी । उपरोक्त विचार ओबीसी बिग्रेड के प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र तंवर ने क्षेत्र के विभिन्न गांवों में बैठक का न्यौता देने के बाद असंध में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहे। तंवर ने कहा कि आज कहने को तो हरियाणा में पिछड़े का मुख्यमंत्री है लेकिन जितना नुकसान पिछड़े वर्ग का भाजपा सरकार में हुआ है , इतना नुकसान तो किसी भी सरकार में नहीं हुआ। वर्ष 1977 से लेकर 2014 तक बीसी-ए के 6 या 7 विधायक हमेशा आते रहे लेकिन इस सरकार में इस बार सिर्फ 3 विधायक बीसी-ए के है । जबकि एक राज्यसभा का सदस्य है। ये नेता इतने कमजोर है कि इनको सिवाय अपनी कुर्सी बचाने के और कुछ दिखाई नहीं देता । राज्यसभा के सदस्य रामचंद्र जांगड़ा जिसने पिछड़े वर्ग की बात करके बीजेपी से राज्यसभा की सीट तो हथिया ली और आज वो पिछड़े वर्ग की बात न करके हरियाणा में जाट नॉन का जहर फैला रहा है ताकि बीजेपी के नेताओ को लुभा कर दोबारा से राज्यसभा की सदस्यता प्राप्त की जा सके। वही दूसरी तरफ सरकार में कैबिनेट मंत्री रणवीर गंगवा जो पिछड़े वर्ग के नाम पर मंत्री बना है उसको पिछड़े वर्ग की समस्याओं से और पिछड़े वर्ग के बच्चों के ऊपर हो रहे अन्याय व अत्याचार से कोई मतलब नहीं है। आज तक पिछड़ा वर्ग के लिए एक भी काम नहीं किया बल्कि हमेशा पिछड़े वर्ग का गला काटने का काम किया है। इन्द्री से भाजपा विधायक रामकुमार कश्यप जो कभी भी पिछड़े वर्ग की आवाज नहीं उठाते और ना ही उनकी किसी मीटिंग में जाते । वो सिर्फ कुछ कश्यप समाज के प्रोग्रामों में जाते है ताकि पिछड़ा वर्ग इकट्ठा ना हो सके। मुख्यमंत्री का सबसे बड़ा काम जो बीजेपी की लीडरशिप ने दे रखा कि पिछड़ा को इकट्ठा ना होने दो और उसी काम में रामकुमार कश्यप लगे हुए है। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग का क्लास -1 व क्लास-2 का आरक्षण जो अधूरा है उसको पूरा किया जाए। इस अवसर पर रामकुमार प्रजापति बहादुरगढ़ प्रदेश संगठन प्रमुख, मदन वर्मा पूर्व चेयरमैन नगर परिषद भिवानी , श्यामपाल रोहिल्ला संगठन सचिव, जयभगवान प्रजापति, राजबीर आर्य व बंसीलाल सहित अन्य मौजूद रहे।

स्वच्छ भारत की खुलेआम धज्जियां, पॉलीथिन के ढेर में दफन पंचायत की जिम्मेदारी

निसिंग,25 जनवरी (जोगिंद्र सिंह): करनाल -कैथल स्टेट हाइवे पर गांव मंजूरा में सड़क किनारे उड़ते पॉलीथीन प्रशासन की लापरवाही का खुला सबूत है।गांव की तस्वीर देखकर साफ है कि यहां स्वच्छ भारत मिशन नहीं, बल्कि गंदगी फैलाने की खुली छूट चल रही है। गलियों से लेकर नालियों तक फैली पॉलीथिन पंचायत की खुली बेपरवाही का सबूत है। स्वच्छता के नाम पर सिर्फ भाषण, पोस्टर और फोटोबाजी—जमीनी हकीकत शून्य।नालियां पॉलीथिन से जाम हैं, गंदा पानी सड़ रहा है, मच्छरों का आतंक बढ़ चुका है, लेकिन पंचायत के जिम्मेदार कुर्सियों पर आराम फरमा रहे हैं। पशु पॉलीथिन खाते नजर आ रहे हैं और पर्यावरण दम तोड़ रहा है। सवाल यह है कि पंचायत आखिर किस बात का इंतजार कर रही है—किसी बड़ी बीमारी का या हादसे का। मंजूरा में हवा के साथ सड़क पर दौड़ते ये पॉलीथीन दोपहिया वाहन चालकों के लिए जानलेवा साबित हो सकते हैं। नालियों में फंसकर यही पॉलीथीन जलभराव बढा देते है, लेकिन जिम्मेदार विभाग आंख मूंदे बैठे हैं। प्रतिबंध के बावजूद पॉलीथीन का खुलेआम इस्तेमाल सवाल खड़े करता है।यह सड़क कूड़े का अड्डा बन चुकी है। चारों तरफ फैले प्लास्टिक के ढेर बदबू मार रहे हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि जिम्मेदारों को यह गंदगी दिखाई ही नहीं दे रही। इसी सड़क से रोज़ स्कूल जाने वाले बच्चे, बुजुर्ग और महिलाओं सहित हजारों वाहन गुजरते हैं, पर किसी अधिकारी की नजर अब तक नहीं पड़ी।

राष्ट्रीय बालिका दिवस गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित किया

कालका,25 जनवरी (निस): भारत में राष्ट्रीय बालिका दिवस प्रतिवर्ष 24 जनवरी को मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 2008 में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और भारत सरकार द्वारा भारतीय समाज में लड़कियों के साथ होने वाली असमानताओं के बारे में जन जागरूकता फैलाने के लिए की गई थी। सब डिविजनल कोर्ट कालका के आदेश अनुसार गांव चरणियां में सरपंच सविता व प्रधानाचार्य के माध्यम से वीनू कंवर लीगल एड एडवोकेट ने एक लीगल लिटरेसी जन जागृति कैंप राष्ट्रीय बालिका दिवस जो गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित किया ।विद्यालय

के शिक्षा छात्र छात्रों के उपस्थिति में राष्ट्रीय बाल दिवस की शुभकामनाएं दी गई।हर बेटी को सशक्त बनाना, एक मजबूत भारत का निर्माण करना।आज की बेटी केवल चूल्हा-चौका तक सीमित नहीं है7 यह दिन हमें याद दिलाता है कि जब एक लड़की को सुरक्षा, शिक्षा, पोषण और सम्मान मिलता है, तो पूरा राष्ट्र मजबूत होता है। राष्ट्रीय बालिका दिवस 2026 विशेष रूप से महत्वपूर्ण होगा क्योंकि आज की बालिका कल की डॉक्टर, वैज्ञानिक, उद्यमी और रक्षा अधिकारी है।भारत में बालिकाओं को लड़कों के समान ही कानूनी और संवैधानिक अधिकार प्राप्त हैं, जो उन्हें सुरक्षा, समानता, शिक्षा और स्वास्थ्य प्रदान करते हैं। मुख्य अधिकारों में शिक्षा का अधिकार (6-14 वर्ष), 18 वर्ष से पहले विवाह के विरुद्ध संरक्षण (बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006), पैतृक संपत्ति में सम्मान अधिकार, और शारीरिक व यौन शोषण के खिलाफ सुरक्षा शामिल है। कानून की नजर में बेटा और बेटी बराबर हैं। उन्हें सम्मान अवसर, शिक्षा और सम्मान पाने का हक है। यौन और शारीरिक सुरक्षा- पॉक्सो अधिनियम के तहत बालिकाओं को हर तरह के यौन अपराधों और शोषण से सुरक्षा प्राप्त है। कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ कानून- पीसीपीएनडीटी अधिनियम, 1994 के तहत जन्म से पहले लिंग निर्धारण या गर्भपात कराना एक दंडनीय अपराध है। इसी के साथ मुफ्त कानूनी सहायता के बारे जानकारी दी ।नालसा (राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण) व नालसा ऐप कमजोर और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को निशुल्क कानूनी सहायता प्रदान करता है। यह अधिनियम, 1987 के तहत बनाया गया है और इसका उद्देश्य समाज के जरूरतमंद वर्गों तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना है। आप 15100 डायल करके या ऑनलाइन आवेदन करके सहायता प्राप्त कर सकते हैं। निःशुल्क कानूनी सेवाएँ प्राप्त करने के लिये पात्र व्यक्ति महिलाएँ और बच्चे अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के सदस्य औद्योगिक कामगार सामूहिक आपदा, हिंसा, बाढ़, सूखा, भूकंप, औद्योगिक आपदा के शिकार। विकलांग व्यक्तियों,हिरासत में उपस्थित व्यक्ति,वे व्यक्ति जिनकी वार्षिक आय संबंधित राज्य सरकार द्वारा निर्धारित राशि से कम हो और बताया कि सब डिविजनल कोर्ट कालका जिला पंचकुला में लीगल एड सर्विसेज के फ्रंट ऑफिस मौजूद हैं। नालसा हालसा की स्कीम्स से संबंधित और गरीब , औरतें, बच्चे अन्य मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं ।

सेंट विवेकानंद मिलेनियम स्कूल में भारत का संविधान 75 वर्ष, विशेष सत्र का आयोजन

पिंजौर,25 जनवरी (अजीत सिंह,अख्तर फ़ारूक़ी): विद्यालय सेंट विवेकानंद मिलेनियम स्कूल एचएमटी टाउनशिप, पिंजौर में भारतीय संविधान 75 वर्ष ; के उपलक्ष्य में एक विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट चंडीगढ़ में जॉइंट रजिस्ट्रार नवीन शर्मा अंशुमान द्वारा विद्यार्थियों को संविधान के महत्व, उसके मूल सिद्धांतों, नागरिकों के अधिकारों एवं कर्तव्यों की विस्तृत जानकारी कक्षा नवमी एवं ग्यारहवीं के विद्यार्थियों की

दी गई। भारत के संविधान के प्रत्येक चैप्टर पर प्रसिद्ध चित्रकार नन्दलाल बोस व शान्तिनिकेतन से जुड़े अनेक चित्रकारों द्वारा 1950 में बनाई गई चित्रावली को पावर प्वाइंट प्रस्तुती के माध्यम से दिखाकर विद्यार्थियों को समझाया गया। इस प्रकार संविधान के प्रत्येक चैप्टर को विस्तार से बताकर चर्चा की गई और विद्यार्थीयों की जिज्ञासा का समाधान भी किया गया। नवीन ने बताया कि इस चित्रावली में भारत के 5000 वर्षों का ऐतिहासिक चित्रण किया गया है। जिसको महात्मा गांधी और डाज़राजेन्द्र प्रसाद ने भी सराहा था। यह भी चर्चा में आया कि गत 75 वर्षों से किस प्रकार भारत को बनाने में संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और कैसे यह भारत का प्रत्येक दिशा में मार्गदर्शन करता है। दूसरा विषय में नवीन ने वोट की ताकत पर चर्चा करते हुए राष्ट्रीय वोटिंग दिवस के महत्व के बारे में समझाया। इस वर्ष हम 15वां वोटिंग दिवस 25 जनवरी 2026 को मना रहे हैं। वोट हमारे पास एक ताकत के रूप में है, यह दिवस हमें भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जुड़ने का मौका देता है। हमें वोट देने को अपना कर्तव्य समझना चाहिए और अनेक कार्यक्रम करते हुए अधिक से अधिक युवाओं को इसकी शक्ति लोकतंत्रात्मक सुन्दरता और महत्व का अहसास कराना चाहिए। अनेक महत्वपूर्ण वाक्य भी बताए गए जैसे - वोट फार पावर, वोट फार डवलपमेंट, वोट फार नेशन। वन वोट कैन ट्रांसफार्म दी कन्ट्री ।नो वोटर शुड भी लैफ्ट।--मैं वोट करूंगा और करवाऊंगा।हम मिलकर लोकतंत्र के उत्सव को मनाएं।एक वोट,अनेक वोट।-वोट मेरी ताकत है और मैं इसका सही उपयोग करूंगा आदि। इस प्रकार विद्यार्थियों ने भी अनेक प्रश्न पूछे और वोट के महत्व को समझा।इस सत्र में रजनीश मगोतरा सहायक प्रोफेसर इंजीनियरिंग कॉलेज जम्मू ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ . पीयूष पुंज द्वारा उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक सत्र के लिए दोनों वक्ताओं का आभार व्यक्त किया तथा कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में संवैधानिक मूल्यों, राष्ट्रप्रेम एवं जिम्मेदार नागरिकता की भावना को मजबूत करते हैं।

बिना किसी प्रलोभन या दबाव के करें अपने मताधिकार का प्रयोग : जिला उद्यान अधिकारी

करनाल, 25 जनवरी (सुमनलता): राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में आज हरियाणा हॉर्टिकल्चर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, उचानी में एक उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायक मतदाता शपथ समारोह का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर जिला उद्यान अधिकारी, करनाल ने संस्थान के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों और स्टाफ सदस्यों की उपस्थिति में कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने सभी को लोकतंत्र की नींव को और मजबूत करने के लिए निष्पक्ष, निर्भीक और जिम्मेदार मताधिकार के प्रयोग की शपथ दिलाई। अपने संबोधन में जिला उद्यान अधिकारी ने कहा कि प्रत्येक भारतीय नागरिक का यह कर्तव्य है

कि वह बिना किसी प्रलोभन, दबाव या लालच के अपने मताधिकार का प्रयोग करे। साथ ही, वह अपने आसपास के अन्य नागरिकों को भी मतदान के महत्व के प्रति जागरूक करे और लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करे। हमारा एक वोट ही देश की दिशा और दशा तय करने की ताकत रखता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एक स्वर में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा, संविधान के प्रति अटूट निष्ठा और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया को मजबूत बनाने का दृढ़ संकल्प लिया। शपथ ग्रहण के साथ ही सभी ने मेरा भारत, मेरा वोट की भावना को आत्मसात किया, जो इस वर्ष के राष्ट्रीय मतदाता दिवस की प्रमुख थीम भी है। समारोह पूरे शांतिपूर्ण, अनुशासित और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। जिसमें हरेक व्यक्ति ने मतदाता जागरूकता के इस संदेश को दिल से अपनाया। यह आयोजन न केवल संस्थान के कर्मचारियों के बीच मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा, बल्कि यह भी दर्शाता है कि सरकारी विभाग और संस्थान लोकतंत्र की मजबूती में कैसे सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

हरप्रीत कम्बोज : हरियाणा के छोटे से गांव से देश के विभिन्न प्रदेशों के क्रिकेट खिलाड़ियों की बड़े सपनों की उड़ान

रतिया,25 जनवरी (अमन सेठी): पानी के बहाव के साथ तो सब बहते हैं, लेकिन पानी के विपरीत जो बहकर तैर जाए वही असली तैराक होता है। यही कहानी है हरप्रीत कम्बोज की, जो हरियाणा के रतिया व भूना के बीच एक छोटे से गांव सिंथला में क्रिकेट एकेडमी चलाकर देश के विभिन्न प्रदेशों से आए खिलाड़ियों को बेहतरीन कोचिंग देकर उनके सपनों को पंख लगा उन्हें क्रिकेट में एक मुकाम हासिल करने के लिए बेहतरीन क्रिकेट खिलाड़ी बना रहे हैं, इतना ही नहीं छोटे गांव का छोटी उम्र का यह कोच हरप्रीत सिंह इंग्लैंड के अनुभवी कोच जान कैप्स के साथ बतौर सहायक कोच के रूप में काम कर चुके हैं। हरप्रीत कम्बोज के अनुसार वह पिछले नौ वर्षों से प्रोफेशनल क्रिकेटर कोच के रूप में कार्य कर रहे हैं। उनकी एकेडमी में हरियाणा, पंजाब, बिहार, यूपी, जम्मू कश्मीर, राजस्थान जैसे प्रदेशों से खिलाड़ी क्रिकेट के गुर सीखने आते हैं। हरप्रीत के अनुसार उनसे कोचिंग लेने वाले भारत के विभिन्न प्रदेशों के खिलाड़ी जिनमें सरीता मागर (नेपाल अंतराष्ट्रीय महिला टीम), संदीप सिवाच (अरुणाचल रंनजी खिलाड़ी), गुरप्रीत सिंह (-19 स्टेट) ऐसे बड़े लेवल क्रिकेट प्रतियोगिता में अपनी पहचान बन चुके हैं।हरप्रीत बताते हैं कि वो सुबह से शाम तक खिलाड़ियो के साथ ग्राउंड में रहते हैं। उन्होंने खिलाड़ियो के रहने के लिए हास्टल व पढ़ाई की व्यवस्था भी कर रखी है। उनकी एकेडमी में आधुनिक प्रेक्टिस सुविधाए जैसे बालिंग मशीन, जिम की सुविधा, 24 घंटे प्रेक्टिस की सुविधा उपलब्ध है।हरप्रीत कम्बोज खुद (आई सी सी) द्वारा प्रमाणित क्रिकेट कोच है और

स्ट्रेंथ व कंडिशनिंग (ए सी एस एम) प्रमाणित ट्रेनर भी हैं। उन्होंने 2022-2023 में इंग्लैंड के अनुभवी कोच जान केप्स के साथ भी बतौर सहायक कोच काम किया है। हरप्रीत की इस प्रेरणादायक कहानी से यह सीखने को मिलता है कि अगर हम अपने काम के प्रति समर्पित हों और मेहनत करें, तो कुछ भी असंभव नहीं है। क्योंकि जहां यह छोटे से गांव में जन्म और इंग्लैंड के अनुभवी कोच के साथ सहायक कोचिंग कर चुके हैं और उनके गांव की अकादमी में अनेक प्रदेशों के खिलाड़ियों का कोचिंग लेने के लिए आना यह दर्शाता है कि हरप्रीत सिंह की कोचिंग में कुछ तो बात है।

आज का वोट, कल का भारत

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर रायपुररानी महाविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम, संवैधानिक मूल्यों पर चर्चा

रायपुररानी, 25 जनवरी (देवेन्द्र सिंह): राजकीय महाविद्यालय रायपुररानी में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर कानूनी प्रकोष्ठ के

तत्वावधान में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अपराजिता हुड्डा ने की। उन्होंने अपने संबोधन में मताधिकार के महत्व पर जोर देते हुए छात्र-छात्राओं से स्वतंत्र, निष्पक्ष और जिम्मेदार मतदान करने का आग्रह किया। इस अवसर पर कानूनी प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. सुनीत दत्त शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती संवैधानिक मूल्यों की समझ और सोच-समझकर किए गए मतदान पर निर्भर करती है। वहीं, एनसीसी एएनओ डॉ. यशवीर ने युवाओं को अनुशासन के साथ अपने नागरिक दायित्वों के पालन के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों से मतदाता शपथ भी दिलवाई गई।

मानव सेवा संघ परिसर में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर, 20 जरूरतमंदों की हुई स्वास्थ्य जांच

करनाल, 25 जनवरी (संदीप रोहिला): मानव सेवा संघ के पवित्र प्रांगण में अर्पणा ट्रस्ट के सेवाभावी डॉक्टरों द्वारा सभी रोगों की जांच एवं

निदान हेतु एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। खराब मौसम और बारिश के बावजूद लगभग 20 जरूरतमंद रोगी अपनी स्वास्थ्य जांच कराने के लिए मानव सेवा संघ पहुंचे। शिविर में सभी रोगियों की गहन स्वास्थ्य जांच की गई तथा उन्हें नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गईं। जांच उपरांत × मरीज आंखों के ऑपरेशन के लिए उपयुक्त पाए गए, जिन्हें नि:शुल्क ऑपरेशन हेतु अर्पणा ट्रस्ट अस्पताल भेजा गया। इस अवसर पर स्वामी प्रेममूर्ति ने सभी मरीजों एवं डॉक्टरों की टीम को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम में उनके साथ डा. भगत राम खण्डवाल एडवोकेट, मोहिन्दर नरवाल, राजेंद्र तथा हर्ष सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। यह शिविर मानव सेवा और समाजसेवा की भावना का उत्कृष्ट उदाहरण रहा, जिससे जरूरतमंदों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सका। डा. भगत राम खण्डवाल एडवोकेट ने बताया कि अर्पणा ट्रस्ट के सेवाभावी डॉक्टरों द्वारा सभी रोगों की जांच एवं निदान हेतू अगला निशुल्क चिकित्सा शिविर 23 फरवरी 2026 को मानव सेवा संघ के पवित्र प्रांगण में आयोजित किया जाऐगा। जरूरतमंद व्यक्ति इस कैंप में आकर निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं उपचार करवा सकते है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित हुए पुंडरक के नौ बच्चे

निसिंग,25 जनवरी (जोगिंद्र सिंह): हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जिला स्तरीय राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम में श्री ईश्वर सिंह प्राध्यापक राजनीति विज्ञान के मार्गदर्शन में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पुंडरक के छात्रों का दबदबा रहाइन छात्रों ने जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करते हुए प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर कब्जा किया था जिन्हें

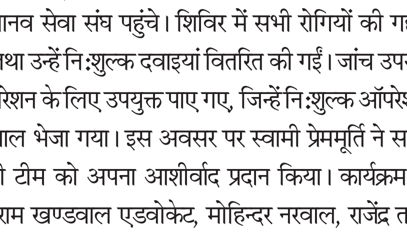

आज प्रशस्ति पत्र एवं नगद इनाम देकर सम्मानित किया गया।क्विज में भावना एवं काजल भाषण में अमन एवं निबंध लेखन में आंचल प्रथम स्थान पर रहे। निबंध लेखन में चंचल एवं पोस्टर मेकिंग में पारुल द्वितीय स्थान पर निबंध लेखन में मौसम एवं भाषण में पारुल तृतीय स्थान पर रहे । राष्ट्रीय चुनाव आयोग हर वर्ष भारतीय चुनाव आयोग के स्थापना दिवस 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाता है 7 और चुनाव में भागीदारी बढ़ाने के लिए लोगों को जागरूक करता है गौरतलब है की 25 जनवरी 1950 को भारतीय चुनाव आयोग की स्थापना की गई थी। चुनाव तहसीलदार सुदेश राणा ने बताया कि जागरूक मतदाता ही योग्य ईमानदार एवं मेहनती प्रतिनिधियों का चुनाव करके लोकतंत्र को मजबूत करके देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

दैनिक समाचार पत्र भारत देश हमारा

गणतंत्र दिवस

जिला करनाल-विशेषांक

चढ़दीकला ग्रुप हरियाणा की ओर से सभी पाठकों एवं विज्ञापनदाताओं को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

स. जगजीत सिंह दर्दी
पदमश्री, चेयरमैन
चढदीकला मीडिया ग्रुप

डा. के.के.संधू
डायरेक्टर एवं सम्पादक
चढदीकला मीडिया ग्रुप, हरियाणा

हमारी ओर से आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

परमजीत कौर | सोनी दुआ | राज रानी | संदीप रोहिला | रविन्द्र मलिक | सुनील गोयत | मीनाक्षी देवी | प्रवीन | सुषमा रानी

DOUBLE CHABI

BASMATI RICE

DOUBLE CHABI ALWAYS USE

"Swaad Double, Khushiyan Double"

Happy Republic Day

गणतंत्र दिवस विशेषांक

सभी पाठकों एवं विज्ञापनदाताओं को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डा. के.के.संधू
डायरेक्टर एवं संपादक
चढदीकला मीडिया ग्रुप, हरियाणा

बिशपाल राणा
पत्रकार
मो : 94164-68707

इंद्री हल्का वासियों व प्रदेशवासियों को
लोकप्रिय मुख्यमंत्री
माननीय नायब सिंह सैनी जी
के जन्मदिन
व गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक :- रामकुमार कश्यप, विधायक इंद्री एवं चीफ व्हीप विधानसभा हरियाणा

सभी देश व प्रदेशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
गौरव सोरसी
चेयरमैन, ब्लॉक समिति करनाल
एवं पूर्व भाजपा सचिव, करनाल

बजाज पैलेस, इंद्री
की ओर से सभी प्रदेशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
आइये! गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर हम संविधान में निहित आदर्शों और मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता सुनिश्चित कर देश व लोकतंत्र की प्रगति में योगदान दें।
सुदर्शन बजाज, इंद्री

सभी देश व प्रदेशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
सुन्दर गुप्ता
संचालक
श्री फायर वर्कस, करनाल

BOBY PROPERTIES
REAL ESTATE AND FINANCE ADVISOR
की ओर से सभी प्रदेशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
हमारे यहां मकान, दुकान, जमीन बेचने व खरीदने के लिए संपर्क करें।
MR. VIPIN GOEL (BOBY)
M: 98960-21972
OFFICE ADDRESS -
NEAR BIKANER SWEET
GURDYAL COLONY, INDRI

ग्राम पंचायत दरड़
खण्ड करनाल की ओर से सभी प्रदेशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
रामकुमार कश्यप
विधायक, इंद्री
स. इंद्रजीत सिंह चीमा
सरपंच, ग्राम पंचायत दरड़, खंड करनाल

ग्राम पंचायत जयरामपुर
की ओर से
सभी प्रदेशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
आइये! गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर हम संविधान में निहित आदर्शों और मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता सुनिश्चित कर देश व लोकतंत्र की प्रगति में योगदान दें।
मनोज कुमार सेतिया
सरपंच, ग्राम पंचायत जयरामपुर

SHRI RAM CHARIT MANAS SR. SEC. SCHOOL
Basant Vihar, Karnal Hry
ADMISSION OPEN
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
संदीप कुमार शर्मा
डायरेक्टर

ग्राम पंचायत टीकरी
की ओर से
सभी प्रदेशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
आइये! गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर हम संविधान में निहित आदर्शों और मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता सुनिश्चित कर देश व लोकतंत्र की प्रगति में योगदान दें।
सोनू, सरपंच
ग्राम पंचायत टीकरी

ग्राम पंचायत सोहाना
खण्ड करनाल की ओर से
सभी प्रदेशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
हरविन्द्र कल्याण
विधानसभा
स्पीकर हरियाणा
रेखा रानी
सरपंच
विक्रम सिंह
सरपंच प्रतिनिधि

ग्राम पंचायत भूसली
खण्ड करनाल की ओर से
सभी प्रदेशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
हरविन्द्र कल्याण
विधानसभा
स्पीकर हरियाणा
आइये! गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर हम संविधान में निहित आदर्शों और मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता सुनिश्चित कर देश व लोकतंत्र की प्रगति में योगदान दें।
राजिन्द्र सिंह
सरपंच, ग्राम पंचायत भूसली